राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार , 12 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 180, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगे डीपीआरओ..03

इंडस्ट्री एरिया में छापा, 7.37 लाख का वेज फैट सीज किया..04

एनसीआरबी के 2023 डेटा में हिंसाग्रस्त मणिपुर में हुए महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराध ही दर्ज नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- हिंसाग्रस्त मणिपुर में 2023 के जातीय संघर्ष के चरम के दौरान कई इमारतों को आग लगा दी गई थी, दंगे व्यापक हो गए थे और चोरी, डकैती, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे अपराध बढ़ गए थे. तमाम हिंसा की खबरों के बीच महिलाओं के साथ बलात्कार, अत्याचार, उत्पीड़न और यहां तक कि उनकी हत्या के भी कई मामले दर्ज किए गए थे. इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय ने स्थिति का संज्ञान लेते हुए जुलाई 2023 में कहा था कि जातीय संघर्षों के दौरान मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ 'व्यवस्थित' और 'अभूतपूर्व स्तर' पर यौन हिंसा हुई है. उल्लेखनीय है कि इंफाल घाटी में रहने वाले मेईतेई समुदाय और पहाड़ी कुकी जनजाति के बीच मई 2023 में शुरू हुआ जातीय संघर्ष आज भी जारी है. इस संघर्ष में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 70,000 लोग विस्थापित हुए हैं. हिंसाग्रस्त इस राज्य को लेकर हाल ही में जारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2023 के आंकड़े बताते हैं कि यहां लगभग सभी श्रेणियों में अपराधों में बढ़ोतरी हुई है. हालांकि, महिलाओं के खिलाफ अपराधों के संबंध में रिपोर्ट एक चौंकाने वाली विसंगति प्रस्तुत करती है. द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक, जहां महिलाओं के खिलाफ अपराधों को सूचीबद्ध करने वाली अधिकांश प्रमुख श्रेणियों में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट देखी गई है।

अखबार ने एनसीआरबी डेटा के हवाले से बताया है कि मणिपुर में आगजनी के मामले 2022 में जहां मात्र 27 थे, वहीं ये 2023 में बढ़कर 6,203 हो गए, डकैती का मामला 1 से बढ़कर 1,213 पहुंच गया. जबकि, दंगों के मामले 84 से बढ़कर 5,421 हो गए. हत्याओं की संख्या 2022 के मुकाबले राज्य में 2023 में लगभग तिगुनी हो गई - 47 से 151. हत्या के प्रयास के केस भी 153 से बढ़कर 818 दर्ज किए गए. इसी तरह संपत्ति संबंधी से जुड़े अपराधों में भी वृद्धि देखी गई है. लूटपाट के मामले 7 से बढ़कर 330 हो गए, सेंधमारी के केस 39 से बढ़कर 183 दर्ज किए गए. इसके अलावा चोरी के मामले 1,286 से बढ़कर 2,394 हो गए. मणिपुर में हथियार और विस्फोटक कानूनों के तहत दर्ज मामलों में भी लगभग दोगुनी बढ़ोतरी देखी गई. ये मामले 64 से 116 हो गए और समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित मामले 15 से बढ़कर 473 रिपोर्ट किए गए. हालांकि, एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कोई वृद्धि नहीं हुई है. इसके उलट महिलाओं के खिलाफ संज्ञेय अपराधों

में 30% की गिरावट देखी गई है।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में गिरावट

बलात्कार के मामलों की संख्या 2022 में 42 से घटकर 2023 में 27 हो गई, जबकि महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए हमले के मामले 67 से घटकर 66 हो गए और यौन उत्पीड़न के केस 5 से घटकर 1 हो गया. यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के तहत नाबालिग लड़कियों से बलात्कार के मामलों में भी गिरावट देखी गई, जो 44 से घटकर 43 हो गए. हालांकि, ये विडंबना ही है कि ऐसा मई 2023 में लैंगिक हिंसा की कई रिपोर्ट्स सामने आने के बावजूद है. जुलाई 2023 में मणिपुर के कुकी-ज़ो समुदाय के 10 विधायकों ने एक बयान जारी किया था, जिसमें 3 मई, 2023 से कम से कम चार घटनाओं का उल्लेख किया गया, जहां उनके समुदाय की महिलाओं के साथ या तो बलात्कार किया गया या उनकी हत्या कर दी गई।

अखबार द्वारा प्राप्त एक एफआईआर में बताया गया है कि इंफाल पूर्व में एक कार वॉश सेंटर में काम करने वाली महिलाओं को 4 मई, 2023 को लगभग 100-200 लोगों की भीड़ द्वारा प्रताड़ित किया गया. वहीं, जुलाई 2023 में राष्ट्रीय महिला आयोग को महिलाओं के खिलाफ हिंसा की और घटनाओं के बारे में तब पता चला, जब दो महिला कार्यकर्ताओं और नॉर्थ अमेरिकन मणिपुर ट्राइबल एसोसिएशन नामक एक नागरिक समाज संगठन ने एक अपील की. ?? सूचीबद्ध घटनाओं में मणिपुर विश्वविद्यालय परिसर में कुकी-ज़ोमी महिलाओं का उत्पीड़न, नाइटिंगेल नर्स संस्थान में दो महिलाओं का उत्पीड़न और इंफाल में चार महिलाओं के कथित बलात्कार और हत्या शामिल थीं. महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में दर्ज की गई गिरावट और अन्य अपराध श्रेणियों में हुई वृद्धि का तुलनात्मक अध्ययन महिलाओं से जुड़े अपराधों की बड़े पैमाने पर कम रिपोर्टिंग की ओर इशारा करता है. हालांकि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की कम रिपोर्टिंग पूरे भारत में एक चलन है, जो मुख्यतः सामाजिक लांछन या कथित इज़्ज़त ख़राब होने के डर से प्रेरित है. मणिपुर का मामला इस समस्या को और भी स्पष्ट रूप से उजागर करता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने जिनपिंग पर उतारा नोबेल न मिलने का गुस्सा, चीन पर लगाया 100 फीसदी टैरिफ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डोनाल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने का गुस्सा चीन पर उतारा है. जी हां, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया है. इतना ही नहीं, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बातचीत और मुलाकात की संभावनाओं को भी डोनाल्ड ट्रंप ने खारिज कर दिया है. डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया कि चीनी प्रोडक्ट पर 100 फीसदी टैरिफ 1 नवंबर 2025 से लागू होगा।

इससे पहले चीन ने रेयर अर्थ मिनिरल्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था. इसके बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने यह फैसला लिया. चीनी फैसले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने चेतावनी दी थी कि अगर चीन रेयर अर्थ वाले अपने फैसले से पीछे नहीं हटा तो अमेरिका चीनी सामान पर 'भारी टैरिफ' लगाएगा. इसके बाद ट्रंप ने 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया. ट्रंप के मुताबिक, चीन का यह कदम सिर्फ मार्केट और पूरी दुनिया को मुश्किल में डालेगा. उन्होंने कहा कि इससे सबसे ज्यादा नुकसान चीन को ही होगा।

ट्रंप ने लगाया 100 फीसदी टैरिफ

डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा,

'चीन द्वारा इस अभूतपूर्व रुख को देखते हुए अमेरिका चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा, जो वर्तमान में चीन की ओर से लगाए जा रहे किसी भी टैरिफ के अतिरिक्त होगा. यह 1 नवंबर से लागू होगा.' यह ट्रंप के उस पिछले पोस्ट के तुरंत बाद आया है, जिसमें उन्होंने चीन के प्रतिबंधों को बेहद प्रतिकूल बताया था. उन्होंने कहा कि चीन को दुनिया को 'बंदी' बनाने की अनुमति किसी भी तरह नहीं दी जा सकती।

अब नहीं होगी ट्रंप-जिनपिंग की मुलाकात

डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने के अंत में साउथ कोरिया में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने की अपनी योजना पर भी सवाल उठाया. उन्होंने कहा, 'मुझे दो हफ्ते बाद दक्षिण कोरिया में APEC शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलना था, लेकिन अब ऐसा करने का कोई कारण नहीं दिखता.' उन्होंने चेतावनी दी कि ये टैरिफ बहुत हैवी हो सकते हैं, जिससे वाशिंगटन और बीजिंग के बीच ट्रेड वार यानी व्यापार युद्ध फिर से भड़क सकता है।

चीन ने क्या फैसला लिया है?

दरअसल, चीन दुनिया में रेयर अर्थ मिनिरल्स (Rare Earth Elements) का सबसे बड़ा प्रोड्यूसर यानी उत्पादक देश है. ये वही मटीरियल है जो इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस और ग्रीन एनर्जी जैसी इंडस्ट्रीज के लिए बेहद जरूरी होते हैं. इसे लेकर ही चीन ने नया फैसला किया है. चीन के नए नियमों के मुताबिक अब रेयर अर्थ (Rare Earth) या उससे बने किसी भी प्रोडक्ट के एक्सपोर्ट से पहले 'स्पेशल अप्रूवल' जरूरी होगा.।

संक्षिप्त ख़बरें

2.7 लाख की ठगी; हृष्ट कैडेट को दिया सेना में भर्ती का झांसा, मेडिकल और रनिंग करवाई फिर थमा दिया फर्जी जॉइनिंग लेटर

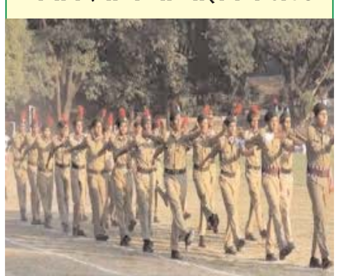

महराजगंज- जिले के निचलौल थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां सेना में भर्ती का सपना दिखाकर एक 12वीं की छात्रा से 2.7 लाख रुपये ठग लिए गए। छात्रा एनसीसी कैडेट है और सेना में जाने का सपना देख रही थी। आरोपियों ने छात्रा को झांसे में लेकर उससे फर्जी मेडिकल और रनिंग करवाई। यहां तक कि उसे सेना की नकली वर्दी पहनाकर फर्जी जॉइनिंग लेटर भी दे दिया। डोमा गांव की रहने वाली नगमा नाम की छात्रा कृषक इंटर कॉलेज में 12वीं की पढ़ाई कर रही है और एनसीसी कैडेट भी है। अगस्त महीने में वह एनसीसी की ट्रेनिंग के लिए मठलार, सलेमपुर गई थी। वहीं उसकी मुलाकात धीरज नाम के एक युवक से हुई। धीरज ने नगमा से कहा कि वह उसे सेना में भर्ती करवा सकता है। सितंबर में धीरज ने नगमा को गोरखपुर बुलाया। वहां उसे सेना की वर्दी दी गई और फिर एक फील्ड में ले जाकर दौड़ (रनिंग) कराई गई। वहां पहले से कुछ और लड़के-लड़कियां भी मौजूद थे। इसके बाद उसका फर्जी मेडिकल टेस्ट कराया गया।

2.70 लाख रुपये की मांग

इन फर्जी प्रक्रियाओं के बाद धीरज ने नगमा से 2 लाख 70 हजार रुपये मांगे। पैसे देने के बाद नगमा को राजस्थान के पुष्कर ले जाया गया, जहां अंगद मिश्रा नाम के एक शख्स से मिलवाया गया। अंगद ने भरोसा दिलाया कि पैसे के बाद उसे जॉइनिंग लेटर मिल जाएगा। पैसे देने के बाद नगमा को एक जॉइनिंग लेटर दिया गया और वह घर लौट आई। गांव में उसे सेना में चयनित मानकर फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और देशभक्ति गानों के साथ पूरे गांव में घुमाया गया। लेकिन जब परिजनों ने जॉइनिंग लेटर की जांच कराई, तो पता चला कि वह फर्जी है। सच्चाई सामने आने पर नगमा ने धीरज और अंगद मिश्रा के खिलाफ निचलौल थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है।

पंजाब- टीवी कार्यक्रम के दौरान वाल्मीकि पर टिप्पणी के लिए अंजना ओम कश्यप पर केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- लुधियाना पुलिस ने आजतक की एंकर अंजना ओम कश्यप के खिलाफ एक टीवी डिबेट के दौरान वाल्मीकि का कथित रूप से अपमान करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है. गुरुवार को दर्ज की गई एफआईआर में इंडिया टुडे समूह के अध्यक्ष और प्रधान संपादक अरुण पुरी और लिविंग मीडिया इंडिया लिमिटेड को भी आरोपी बनाया गया है. द प्रिंट की रिपोर्ट के अनुसार, यह एफआईआर भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज भावदास के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी यशपाल की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके अध्यक्ष विजय दानव हैं. एफआईआर के अनुसार, कश्यप ने एक टीवी शो के दौरान वाल्मीकि के बारे में बात करते हुए 'अनुचित' भाषा का इस्तेमाल किया था, जिसका प्रसारण मंगलवार को चैनल के आधिकारिक सोशल मीडिया पेजों पर किया गया था. एफआईआर में उद्धृत शिकायत में कहा गया है, 'इन बयानों से पूरे वाल्मीकि समुदाय की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है और इससे पहले कि यह मामला कानून-व्यवस्था का मुद्दा बने, एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए.' शिकायत में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का भी हवाला दिया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि उसने भगवान वाल्मीकि की पवित्रता और अच्छाई को बरकरार रखा है।

चौधरी यशपाल ने कहा है कि समुदाय कश्यप की गिरफ्तारी चाहता है. उन्होंने कहा, 'हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक

आरोपी सलाखों के पीछे न पहुंच जाएं. हमने अपने समुदाय से इस मुद्दे पर एकजुट होने का आह्वान किया है.' भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 299 (किसी वर्ग के नागरिकों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों को दंडित करना, मौखिक या लिखित शब्दों, संकेतों, दृश्य चित्रण या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से उनके धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. एफआईआर में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 की धारा 3 (1)(V) का भी उल्लेख किया गया है, जो इन समुदायों के भूमि अधिकारों से संबंधित है।

वाल्मीकि एक प्रख्यात कवि थे जिन्होंने रामायण की रचना की थी. उन्हें 'आदि कवि', यानी प्रथम कवि भी कहा जाता है. उनके अनुयायियों को 'बाल्मीकि' कहा जाता है और वे प्रमुख दलित समुदाय में गिने जाते हैं. शिकायत कश्यप के मंगलवार (7 अक्टूबर) को प्रसारित ब्लैक एंड व्हाइट शो से संबंधित है, जिसमें हाल ही में एक वकील द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने की घटना पर चर्चा हुई थी. अपने शो में - जो अभी भी यूट्यूब पर उपलब्ध है, कश्यप वाल्मीकि का भी ज़िक्र करती हैं और कहती हैं कि उनका असली नाम रत्नाकर था और उन्होंने अपने जीवन के शुरुआती दिनों में लोगों को लूटकर पैसा कमाया था. वह यह भी कहती हैं कि नारद मुनि से मिलने पर वाल्मीकि का हृदय परिवर्तन हुआ और वे भगवान राम के भक्त बन गए. वह कहती हैं कि इस कहानी ने एक महत्वपूर्ण सबक सिखाया कि आत्मसाक्षात्कार और आत्मनिरीक्षण का एक क्षण भी सबसे बुरे प्राणी का जीवन बदल सकता है. हालांकि, यशपाल का कहना है कि वाल्मीकि के जीवन से जुड़ी कहानियां ऐतिहासिक रूप से सत्य नहीं हैं. उन्होंने कहा, 'महापुरुषों के जीवन से जुड़ी कितनी ही कहानियां लोककथाओं का हिस्सा बन जाती हैं. इनके सच होने का कोई प्रमाण नहीं है. एंकर को उस व्यक्ति के बारे में एक बेबुनियाद कहानी सुनाने की क्या ज़रूरत थी जिसे हम अपना भगवान मानते हैं.' उल्लेखनीय है कि इससे पहले सितंबर महीने में लखनऊ की एक अदालत ने अंजना ओम कश्यप के ख़िलाफ़ मामला दर्ज करने का आदेश दिया था. उस मामले में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर द्वारा दायर एक याचिका में आरोप लगाया गया था कि 14 अगस्त को प्रसारित एक कार्यक्रम विभाजनकारी, भड़काऊ और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ था, जो दो समुदायों में दुश्मनी पैदा करने का प्रयास करता है।

पराली जलाने लेकर CM योगी के सख्त निर्देश सेटेलाइट से निगरानी, किसानों को करें जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है. मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पराली जलाने की घटनाओं को शून्य किया जाए. इस संबंध में शासनादेश के तहत विस्तृत दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं. मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है और जनस्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है. इसलिए किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों के प्रति जागरूक किया जाए. सभी जिलाधिकारियों से अपेक्षा की गई है वो सेटेलाइट के माध्यम से पराली जलाने की घटनाओं की लगातार निगरानी करें और संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए।

निर्देश न मानने वालों पर लगेगा जुर्माना

निर्देशों के अनुसार फसल अवशेष जलाने पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति लगाई जाएगी. दो एकड़ से कम क्षेत्र पर 2,500, दो से पांच एकड़ तक 5,000 और पांच एकड़ से अधिक पर 15,000 का जुर्माना निर्धारित किया गया है. प्रत्येक 50 से 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी जो पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करेंगे.

नोडल अधिकारी की नियुक्ति का आदेश

जिलाधिकारियों से कहा गया है कि हॉटस्पाट चिन्हित करते हुए 50/100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति किया जाए. नोडल अधिकारी को पराली जलाने की घटनाओं को शून्य करने के लिए विशेष हिदायत दी जाए. इसके साथ ही, राजस्व, पुलिस, कृषि, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभागों के जनपद, तहसील, विकासखण्ड एवं क्षेत्रीय कर्मियों के माध्यमसे फसल कटने के समय निगरानी करते हुए, फसल अवषेश जलाने की घटनाओं को शून्य करना है. यदि कोई कृषक फसल अवषेश जलाता हुआ पाया जाता है तो मौके पर उसको रोकना तथा उस पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की धनराषि अधिरोपित करते हुए कार्यवाही करना सुनिश्चित किया जाए।

असम- चार बार सांसद रहे राजेन गोहेन ने भाजपा छोड़ी- बोले- पार्टी असमिया लोगों की सबसे बड़ी दुश्मन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- पूर्व केंद्रीय मंत्री और चार बार सांसद रहे राजेन गोहेन ने 9 अक्टूबर को असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा दे दिया. 2016 में सत्ता में आने के बाद से यह पार्टी की राज्य इकाई के लिए यह सबसे बड़ा उथल-पुथल भरा कदम है. खबरों के अनुसार, असम भाजपा के पूर्व अध्यक्ष गोहेन ने अपने 17 समर्थकों के साथ पार्टी के गुवाहाटी मुख्यालय में अपना इस्तीफा सौंप दिया. उनके जाने से पार्टी के पुराने नेताओं और 2015 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा के नेतृत्व में नए नेतृत्व के बीच दरार खुलकर सामने आ गई है. अपने त्यागपत्र में गोहेन ने आरोप लगाया कि पार्टी ने स्थानीय समुदायों के साथ विश्वासघात किया है. बाद में उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि जिस भाजपा में वे अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में शामिल हुए थे, वे अब मौजूद नहीं है. इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, गोहेन ने कहा, 'दूसरी पार्टियों से लोगों को लाने के बाद जिन बुजुर्गों ने अपने

जीवन का सबसे अच्छा समय भाजपा को दिया है, उन्हें दरकिनार कर दिया गया है.' उन्होंने जोड़ा कि भाजपा अब 'असमिया लोगों की सबसे बड़ी दुश्मन' है।

गोहेन ने कहा, 'असम विधानसभा की लगभग 30-40 सीटें कभी अहोम समुदाय द्वारा तय की जाती थीं. लेकिन आज, ऐसा कोई निर्वाचन क्षेत्र नहीं है जिस पर वे टिकट का अधिकार जता सकें. पूरा समुदाय टूट गया है और बिखर गया है. उनका जो राजनीतिक प्रभाव होना चाहिए था, वह नगण्य है- आज अशोक सिंघल (शर्मा कैबिनेट में मंत्री) असम की किसी भी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं क्योंकि किसी भी असमिया समुदाय के पास कहीं भी निर्णायक शक्ति नहीं है.' उनके असंतोष का एक प्रमुख कारण 2023 का परिसीमन है. अहोम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले गोहेन ने पिछले साल विरोध में कैबिनेट स्तर के पद से इस्तीफा दे दिया था. उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पूर्व नागांव निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण ने इसकी जनसांख्यिकी को बदलकर इसे 'भाजपा उम्मीदवारों के लिए जीतना असभंव' बना दिया है. द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान गोहेन ने चेतावनी दी थी कि पुराने पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी करने के 'नतीजे' होंगे. गोहेन ने 1999 से 2019 तक नागांव का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन पिछले दो चुनावों में उन्हें टिकट नहीं दिया गया, और दोनों ही बार यह सीट कांग्रेस ने जीती. हालांकि, भाजपा ने उनके इस्तीफे के प्रभाव को कम करके आंका है. राज्य पार्टी प्रवक्ता रंजीब कुमार शर्मा ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि गोहेन को पार्टी ने भरपूर 'इनाम' दिया है. शर्मा के हवाले से कहा गया, 'वह केंद्रीय राज्य मंत्री रह चुके हैं, राज्य सरकार में उन्हें कैबिनेट स्तर का पद मिला था. उन्हें इससे ज़्यादा और क्या चाहिए? पार्टी सिर्फ़ एक व्यक्ति के लिए नहीं है।'

दिल्ली शिफ्ट हुई बिहार की राजनीति, 'कुरुक्षेत्र' के सारे महारथी राजधानी में डाले डेरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा हाई हो चुका है. बिहार के तमाम दिग्गज नेता इस समय दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं. यही कारण है कि इस समय बिहार की पूरी राजनीति दिल्ली शिफ्ट हो चुकी है. देश की राजधानी दिल्ली में इस समय बिहार चुनाव को लेकर बैठकों का दौर जारी है. एक तरफ जहां पार्टी लेवल की बैठकें की जा रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन और एनडीए की भी बैठक हो रही हैं. हालांकि इन बैठकों के बाद भी अब तक सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय नहीं हो पाया है. यही वजह है कि सभी की निगाहें राजधानी दिल्ली पर टिकी हुई बिहार का पूरा सियासी कुनबा फिलहाल दिल्ली में है. बिहार के कुरुक्षेत्र के सारे महारथी दिल्ली पहुंच गए हैं, यहां बिहार को लेकर बैठक दिल्ली में हो रही हैं. दिल्ली में ही बीजेपी, लोजपा की बैठक हो रही है. चिराग पासवान, जीतन मांझी और उपेंद्र कुशवाहा दिल्ली में ही मौजूद हैं. बीजेपी हो या कांग्रेस लगभग हर राजनीतिक दल के नेता इस समय दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं. इसके साथ ही सब लोग ज्यादा से ज्यादा सीट लेने की कोशिश में भी हैं।

नड्डा के आवास पर मांझी-शाह की बड़ी बैठक

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर बड़ी बैठक हुई. इस बैठक में हम पार्टी के मुखिया जीतन राम मांझी भी शामिल हुए थे. इस मीटिंग में शामिल होने के लिए अमित शाह भी नड्डा के आवास पर पहुंचे थे. तीनों नेताओं के बीच में काफी देर तक बैठक हुई. चर्चा है कि मांझी 10 सीटों पर अड़े हैं जबकि बीजेपी उन्हें 7 सीट ऑफर कर रही है. दूसरी तरफ महागठबंधन को लेकर खबर है कि महागठबंधन में सीट शेयरिंग का पेंच पटना में नहीं सुलझा है. लिहाजा अब लालू तेजस्वी दिल्ली जा रहे हैं. लालू तेजस्वी दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक करेंगे. इसके बाद ही सीटों का फाइनल डिसीजन हो सकता है।

कब तक होगा सीटों का ऐलान

एनडीए में घटक दलों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं. इन बैठकों में सीट बंटवारे का फंसा पेंच निकालने की कोशिश की जा रही है. हालांकि अब तक ये तय नहीं हो पाया है कि किसको कितनी सीटें दी जाएंगी. दूसरी तरफ तमाम दल अपनी-अपनी सीटों को लेकर दावेदारी कर रहे हैं. यही वजह है कि सभी दलों के साथ दिल्ली में बैठकर पूरा मामला सुलझाया जा रहा है. ऐसा माना जा रहा है कि अगले 1-2 दिनों के भीतर सीटों का बंटवारा फाइनल हो सकता है।

महागठबंधन में सब कुछ ठीक?

बिहार की सियासत में अब तक केवल जन सुराज पार्टी ने ही प्रत्याशियों का ऐलान किया है. महा गठबंधन में भी अब तक चुनाव लड़ने का फॉर्मूला तय नहीं हो पाया है. हालांकि इसको लेकर पटना में कई बैठकें हो चुकी हैं. यहां हल न निकलता देख अब पूरा मामला दिल्ली लाया गया है. लालू यादव और तेजस्वी यादव अब दिल्ली जा रहे हैं. यहां आलाकमान के साथ बैठक में चर्चा होगी. इसी के बाद फाइनल डिसीजन हो सकता है।

बसपा की रैली देख, विपक्षी दलों के छूटे पसीने

उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले सभी राजनीतिक दल धीरे-धीरे अपनी जोर आजमाइश में जुटे है। जहां भाजपा के लोग सरकार की योजना का बखान लोगो के बीच करते हुए फिर सत्ता के तरफ निगाह बनाये है, वहीं सपा भी पीडीए के मायाजाल को फैलाकर वोट बैंक को मजबूत करने पर जुटी है, रही बात कांग्रेस की तो वह तो जानती है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि लखनऊ भी बहुत दूर है। लेकिन इसी बीच बीते 12 वर्षों से राजनीतिक वनवास बीता रही बसपा की रैली ने एक बार फिर ठंडी शुरू होने के ठीक पहले राजनीतिक गालियारे में गर्मी पैदा कर दी है। साथ ही चुनाव बाद 5वीं बार यूपी में बसपा के सरकार की भविष्यवाणी ने सपा और भाजपा के कान खड़े कर दिये है जिसका प्रमाण लखनऊ में आयोजित बसपा की रैली में उमड़ी भारी भीड़ ने मुहर लगा दी। एक समय राष्ट्रीय राजनीति में बहुजन समाज पार्टी की गूंज दूर-दूर तक सुनाई देती थी, लेकिन गुजरते वक्?त के साथ बसपा राष्ट्रीय राजनीति से जैसे गायब ही हो गई। समय के साथ पार्टी का प्रभाव धीरे-धीरे सिमटता गया। लोकसभा और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में लगातार झटकों ने बसपा को हाशिए पर ला खड़ा किया। हालांकि बीते 9 अक्टूबर को लखनऊ में हुई मायावती की रैली में उमड़ी भारी भीड़ ने न सिर्फ पार्टी को नई ऊर्जा दी, बल्कि मायावती के आत्मविश्वास को भी फिर से जगा दिया है। यह भीड़ बताती है कि बसपा का जादू अब भी कायम है। अब यह देखना है कि यह भीड़ आगामी चुनावो में बसपा के राजनीतिक धारा में फिर से पुनर्जीवित करेंगी? जिस तरह लखनऊ की रैली में लोगों की ऐतिहासिक भीड़ देखने को मिली, इससे फिर से बसपा की उम्?मीद जगी है कि बसपा और मायावती पर दलितों का विश्?वास कम नहीं हुआ है। दलितों के लिए आज भी मायावती बड़ी नेता हैं। यही कारण है कि लखनऊ रैली में जिस उत्?साह से दलित सम्मिलित हुए है, उससे मायावती को भी लंबे वक्?त बाद किसी राजनीतिक मंच पर खुश होने का मौका दे दिया है। इतनी भीड़ देखकर जहां बसपा में खुशी है वहीं विपक्षी दलों समाजवादी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस में डर भी बन गया है। लखनऊ की रैली में बसपा सुप्रीमो मायावती ने खुद कहा कि ये जो लाखों-लाखों की संख्या में लोग आए हुए है तो इनको यहां दूसरी पार्टियों की तरह दिहाड़ी पर नहीं लाया गया है, बल्कि ये लोग अपने खून पसीने की कमाई के पैसों से ही खुद चलकर आये है। लखनऊ यह रैली बसपा के लिए सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक संदेश भी था कि दलित समाज का भरोसा मायावती पर कायम है। वोट बैंक बिखरा, पार्टी की राजनीतिक जमीन भी खिसकती गई. बावजूद इसके मायावती की लोकप्रियता में गिरावट नहीं आई है। लखनऊ रैली में दलित समुदाय की भारी भागीदारी ने यह साफ कर दिया कि मायावती अब भी उनके लिए एक बड़ी नेता हैं। लंबे समय बाद किसी मंच पर मायावती को इस तरह आत्मविश्वास से भरे और उत्साहित अंदाज में बोलते देखना बसपा कार्यकर्ताओं के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है। रैली में मायावती ने जहां योगी सरकार का आभार जताया वहीं समाजवादी पार्टी को दोगली बता कर राजनीतिक गलियारे में चर्चा तेज कर दी है। लेकिन अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए इसे सांठगांठ बता दिया। पिछली बार बसपा ने 2016 में बड़ी रैली की थी। उस रैली के बाद दो लोकसभा और दो विधानसभा हुए लेकिन बसपा को कोई फायदा नहीं हुआ। 2022 में मात्र एक सीट से बसपा को संतोष करना पड़ा। मायावती अपने संबोधन के दौरान अखिलेश यादव और सपा पर सीधे हमलावर नजर आई और योगी सरकार की तारीफ भी की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि कांशीराम पार्क और अंबेडकर पार्क में आने वाले लोगों से मिले टिकटों का पैसा योगी सरकार ने सपा सरकार की तरह दबाकर नहीं रखा। मेरे आग्रह पर पार्क की मरम्मत पर पूरा खर्च किया गया। जबकि सपा सरकार ने पार्क के रखरखाव की बजाय दूसरे मदों पर पैसा खर्च कर दिया था। मायावती ने भीम आर्मी के प्रमुख और नगीना से सांसद चंद्रशेखर पर भी निशाना साधा और कहा कि हमें कमजोर करने के लिए षड्यंत्र रचा जा रहा है। स्वार्थी और बिकाऊ किस्म के लोगों का इस्तेमाल करके कई संगठन बनवा दिए गए हैं। अब तो ये अंदर ही अंदर अपने वोट ट्रांसफर करवा कर इनके एक-दो उम्मीदवारों को जिता भी रहे हैं, जिससे दलित वोट बांटे जा सकें। मायावती ने मंच से अपने भतीजे आकाश आनन्द की तारीफ की और लोगों से आकाश का साथ देने की अपील भी की। मायावती ने सतीश चंद्र मिश्रा और उनके बेटे कपिल मिश्रा की भी तारीफ की। इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और जमील अख्तर की भी जमकर सराहना की। और लोगों को भ्रमित न होने की बात कहते हुए उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने और 5वीं बार सरकार बनाने की भी बात करके कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जोश भर दिया और सपा, भाजपा और कांग्रेस जैसी पार्टियों के षड्यंत्रों से सजग रहने की बात भी कही, इसके बाद सपा और भाजपा के अंदरखाने में भी चर्चा तेज हो गई है और लोग मायावती को सत्ता तक न पहुंचने के लिए हर जुगत में जुट गए है क्योंकि भीड़ को देखकर सभी राजनीतिक पंडित भी हैरान है जो बसपा के प्रति आज भी लोगो का प्रेम और सामर्थन दिखाता है।

रैली में मायावती के मंच पर लगी कुर्सियां और उसपर बैठे नेताओं ने सपा के पीडीए वाली राजनीति को समाप्त करने का बड़ा संकेत दे दिया। अभी तक इस तरह के मंच पर मायावती की ही कुर्सी विशेष होती थी लेकिन 9 अक्टूबर 2025 की रैली में मंच पर ब्राह्मण, ठाकुर, पिछड़ा, दलित और मुस्लिम चेहरे को एक साथ कुर्सी मिली जिसे बसपा की सोच में एक बड़ा बदलाव का संकेत माना जा रहा है। यह पहली बार था जब मायावती की किसी रैली में मंच पर दूसरे नेताओं को भी बैठने की जगह दी गई। विदित हो कि बसपा 2012 में यूपी की सत्ता से बाहर हुई थी। इसके बाद से पार्टी का ग्राफ लगातार गिरता गया। 2022 के चुनाव में सिर्फ एक विधानसभा सीट जीत पाई। वहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता नहीं खुला। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि बसपा को इस कार्यक्रम से बड़ी संजीवनी मिल सकती है। हालांकि राजनीति में कब क्या हो जाये कोई कुछ नहीं कह सकता लेकिन बसपा की रैली में उमड़ी भीड़ ने तो राजनीतिक गालियारे में चर्चा तेज कर दी है।

संतोष कुमार तिवारी

इजरायल हमास शांति समझौते के श्रेय के हकदार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

इजराइल और हमास के बीच शांतिवार्ता से से गाजा में शांति की राह खुली है।लोगो मे दहशतगर्दी और भय व्याप्त था।कब,किसी वक्त मौत के आगोश में दब जाए,यह किसी को पता नही था।ट्रम्प की पीसफुल वार्ता से हमास ही नही,दुनिया मे खुशी का माहौल है।हमास भी इस समझौते को लेकर राजी है।नोबल पुरुष्कार मिले,यह कौन नही चाहता है।नोबल पुरुस्कार की बात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कही थी।तब से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को एक ही धुन सवार थी और वो किसी भी हालत में दो देशो के बीच शांति स्थापित करने की ठान ली ।मिस्त्र में लम्बी बातचीत के बाद इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम के बाद हमास कैदियों को छोड़ने के लिए राजी हो गया है।गाजा की तुमाखी भरी जिद्द के कारण 18 हजार बच्चो की चींख-पुकार मलबे में दफन हो गई।20 हजार अनाथ हुए लोगो का जीना दुश्वार हो चुका है।इस बीच इजराइल ने बहुत कुछ गवाया है।इजरायल का 3.8 लाख करोड़ का खर्च हुआ है।युद्ध विनाश को निमंत्रण देता है।युद्ध मे दोनो देशों को नुकसान हुआ है।गाजा में चार साल से चल रहे युद्ध को समझौता करार के बाद विराम लग गया है,लेकिन यह गारंटी के साथ नही कह सकते कि युद्ध खत्म हो ही जायेगा।दो सालों से इजराइल और हमास के बीच काफी तनाव चल रहा है।इसमे दोराय नही कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मध्यस्थता करके दोनो देशो के बीच शांति वार्ता की सिफारिश करते हुए युद्ध विराम की घोषणा की गई है।लिहाजा,द्रम्प ने दोनों देशों पर दबाव डालकर युद्ध रुकवाने की कोशिश की है।इसके साथ ही ट्रम्प वास्तविक नोबल पुरस्कार के हकदार है।गाजा में जश्न मनाया गया।उधर,इजराइल में खुशी का माहौल था।युद्ध हमास ने शुरू किया था। दरअसल,2023 में हमास ने इजराइल पर हमला किया था।उसमे1,200 लोग मारे गए और 231 इजराइली को बंधक बना लिए गए थे।यह करतूत हमास की थी।इजरायल सभी मुस्लिम देशों के बीच अकेला यहूदी देश है।टेक्नोलॉजी से भरपूर मिसाइलों की मारक क्षमता बहुत अधिक है।अचानक होने वाले हमले का जवाब मिसाइलें देती है।इजराइली की एक करोड़ आबादी है।लेकिन वहां के कानून के हिसाब से घर के एक सदस्य को सेना में भर्ती होना पड़ता है।इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का भी परिवार क्यों नही हो,उनके लड़के को भी देशसेवा के लिए एक वर्ष तक सेवा प्रदान करना पड़ता है।इजराइल के हमलों से गाजा का अधिकांश भाग नष्ट कर दिया है।हमास की देश के विरुद्ध बहुत बड़ी भूल थी।वाइट हाउस में दोनो देशो के बीच सहमति बनने के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नेत्यांन्यू और डोनाल्ड ट्रम्प सहित ने एक कार्यक्रम आयोजित में हिस्सा लिया।डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव के बाद इजराइल को शांति वार्ता के लिए राजी होना पड़ा ।जबकि हमास को भी ट्रम्प की बात का समर्थन करना पड़ा।युद्ध की विभीषिका मानवीय गुणो को नष्ट कर देती है।युद्ध में निर्दोष लोगों की जानमाल की क्षति होती है।भारत ने पाकिस्तान के द्वारा किये गए युद्ध की संहार लीला से मोदी ने भूतकाल की याद ताजा की और उनका दिल पसीज गया । उन्होंने तब रूस और युक्रेन की जंग को खत्म करने का आग्रह कर कहा कि यह युद्ध का समय नही है।सभी देशो को मिलकर अपने अपने देश के विकास में ध्यान देने की आवश्यकता है। गाजा में मानवीय सहायता बढाई जाएगी।दोनो देशो मे खुशी है।यहां तक युद्ध विराम के बाद भारत ने स्वागत किया है।दुनिया मे पीस प्लान से खुशी व्याप्त है। दोनों देशों ने गंवाया ही गंवाया है।हासिल किसी को नही हुआ है।दो साल में 67 हजार लोगों की मौतते हुई है।दोनो देशो के बीच विश्वास बहाली का पहला कदम साबित हुआ है।जबकि शांतिवार्ता और युद्ध विराम का श्रेय डोनाल्ड ट्रम्प को जाता है।लम्बे समय से दोनो देशो के बीच युद्ध विराम को लेकर ट्रम्प आशावादी थे।युक्रेन और रूस के प्रधानमंत्री को ट्रंप ने शांति वार्ता के लिए निमंत्रण दिया और युद्ध विराम के लिए दोनो देशों के राष्ट्राध्यक्ष को नियमो के अधीन समझाइस की कोशिश की गई।शर्तो के मुताबिक दोनो के बंधक को रिहा किया जाएगा।गाजा से इजराइल के सैनिक अधिकांश हिस्से से लौट जाएंगे।युद्ध की विभीषिका जलते अंगारे की ज्वाला है।इसमें सबकुछ खाक हो जाता है।यह दुनिया के लिए भी विघटनकारी सिद्ध होता है।मानवता को झकझोर कर रख देता है।मिसाइल हमले विनाशकारी होते है।इससे जमीन की उर्वरक क्षमता नष्ट हो जाती है ।युद्ध से मिसाइलों की गंध और किरणों से रोगों की उत्तपत्ति होती है।इजराइली सेना से हवाई हमले किये और 30 लाख से ज्यादा लोग मारे गए।दरअसल, 17 लाख विस्थापित हो चुके है।यह आंकड़ा बहुत बड़ा है। गाजा की एक भूल के कारण लम्बे युद्ध ने लाखों हताहत हुए।2023 से जंग में सबसे ज्यादा फिलिस्तिनियो की मौत हुई।इजराइली सेना ने गाजा के चरमपंथियों पर हमला किया गया।विनाश गाजा पट्टी में हुआ है।इमारते

जमीदोंज हो चुकी है। मिसाइलों के हमले से गाजा पट्टी का भौगोलिक वातावरण बदल गया है।यही विनाश है।डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों देशों के बीच शांतिवार्ता में सहयोग कर दोनो देशो की खाई पाट दी है।नोबल पुरस्कार की चर्चा है और इसके लिए ट्रम्प हकदार है।गाजा पट्टी 1917 तक ओटोमन सामाज्य का हिस्सा था।प्राचीन व्यापारिक और समुद्री पट्टी पर स्थित एक तटीय पट्टी है।इजराइल और मिस्त्र से गाजा घिरा हुआ है।यहा ब्रिटिश हुकूमत का राज था और यह 1948 तक चला।इसके बाद मिस्त्र और इजराइल के कंट्रोल में रहा था। 1940 के दशक में यहां ब्रिटिश शासन का अंत हो गया। इसके बाद यहूदियों और अरबों के बीच जंग शुरू हो गई, जिसका नतीजा ये हुआ कि मई 1948 में इजरायल का जन्म हुआ। जंग के दौरान हजारों फिलिस्तीनियों ने जान बचाने के लिए गाजा में शरण ली। मिस्त्र की सेना ने युद्ध के समय गाजा पट्टी पर कंट्रोल कर लिया। उसका कंट्रोल काफी लंबे समय तक रहा और यहां आबादी भी बढ़ती चली गई।अब पीस प्लान के बाद दुनिया मे शांति का वातावरण बन रहा है।दुनिया मे उत्साह है।

कांतिलाल मांडोत

आस्था,विश्वास और विकास का पर्याय भारत

एक नई वैश्विक पहचान।

भारत में विगत दो-तीन दशकों में भारत में कृषि,विज्ञान,टेक्नोलॉजी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है. भारत में विशेष तौर पर साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा सामरिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफलता पाई है। इन दिनों विश्व में जितने भी राजनीतिक और कूटनीतिक अहम फैसले किये जाते हैं उन में भारत की सलाह तथा उपस्थिति अनिवार्य मानी जा रही है यह भारत के गौरव की बात है। 1947 में भारत और पाकिस्तान ने स्वतंत्रता प्राप्त की, लेकिन दोनों देशों की दिशा भिन्न रही। पाकिस्तान ने मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा अपनाई और अलग राह चुनी, जिसके परिणामस्वरूप आज वह कई आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। भारत ने लोकतांत्रिक और जनतांत्रिक मूल्यों के आधार पर विकास के नए आयाम स्थापित किए, देश को सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर बनाया। पिछले दशक में भारत की राजनीतिक संरचना में उत्तरदायित्व आधारित शासन और प्रभावी प्रशासन ने लोकतंत्र को मजबूती दी। रिपोर्ट कार्ड राजनीति के उदय ने नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके कार्यों और परिणामों के आधार पर शुरू किया। संवैधानिक स्तर पर ऐतिहासिक कदम जैसे अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन, तीन तलाक कानून और नागरिकता संशोधन अधिनियम ने न केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय नीति में नए दृष्टिकोण स्थापित किए। डिजिटल संसदीय पहलें, ई-संसद और डिजिटलीकरण ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया, वहीं विपक्ष, मीडिया और सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली बनाया। नई भारत की अवधारणा केवल राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रही। योग, आयुर्वेद और प्राचीन भारतीय ज्ञान को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया गया। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक आकांक्षाओं का प्रतीक बना। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय इतिहास और आख्यानों को नवीन रूप दिया गया। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के विकास पर जोर दिया गया। सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत की, जबकि बहुलतावाद और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसी सामाजिक चुनौतियाँ विचार विमर्श का विषय बनीं। भारत ने इस दशक में अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार किए। मेक इन इंडिया ने

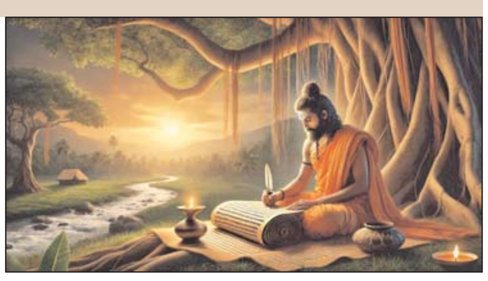

विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी ने कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया, 2025 के संशोधन से आम जनता को बड़ी राहत मिली। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और PI ने नकदी रहित लेन-देन और वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी। स्टार्टअप इंडिया ने नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया। परिणामस्वरूप भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा, जबकि बेरोजगारी, ग्रामीण-शहरी असमानता और कृषि सुधार अधूरे रहना अभी भी गंभीर चुनौती बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने अपनी नई पहचान बनाई। G20 समिट और शंघाई सहयोग संगठन की बैठकों में भारत ने संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को मजबूत किया। अमेरिकी टैरिफ और यूरोपीय दबावों का भारत ने स्पष्ट विरोध किया, जिससे वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका और प्रभाव बढ़ा। भविष्य की चुनौतियाँ और अवसर- पिछले दस वर्षों में राजनीतिक दृढ़ता, सांस्कृतिक आत्मगौरव और आर्थिक नवाचार ने भारत को वैश्विक परिदृश्य में निर्णायक शक्ति बना दिया।

इसके बावजूद असमानता, बेरोजगारी और राजनीतिक ध्रुवीकरण जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सनातनी संस्कृति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामरिक शक्ति में वृद्धि ने भारतीय जनमानस की एकजुटता और नेतृत्व की कार्यकुशलता को बढ़ाया, जिससे भारत का सम्मान और कद विश्व स्तर पर ऊँचा हुआ।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

मैं लड़की हूं — संकट नहीं, समाधान हूं!

बेटी अब प्रतीक्षा नहीं करती — वह खुद इतिहास लिखती है

डिजिटल युग की बेटियां- तकनीक से बदलती दुनिया की दिशा

जब एक बालिका जन्म लेती है, वह केवल एक जीवन नहीं लाती–वह एक नई दृष्टि, अनंत संभावनाओं का सूर्य, और समाज को बदलने की अटल शक्ति लाती है। उसकी मुस्कान में भविष्य की गूंज और आंखों में सपनों का सागर छिपा है। लेकिन यह कटु सत्य भी है कि आज भी दुनिया के कई हिस्सों में वह भेदभाव, असमानता और अन्याय के साये में अपनी पहचान की लड़ाई लड़ रही है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस, जो हर साल 11 अक्टूबर को मनाया जाता है, केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक क्रांतिकारी उद्घोषणा है–"मैं लड़की हूं, मैं बदलाव की अगुआ हूं।" यह दिन बालिकाओं की अदम्य शक्ति का उत्सव है और उनके अनदेखे संघर्षों को सम्मान देने का आह्वान। संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए इस दिवस का विषय चुना है–"मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं- संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां", यह विषय आज की सच्चाई को उजागर करता है–बालिकाएं अब परिवर्तन की प्रतीक्षा नहीं करतीं; वे उसकी सशक्त वाहक हैं। चाहे जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष हो, डिजिटल समानता की मांग हो, या सामाजिक न्याय की लड़ाई–हर मोर्चे पर बालिकाएं अपनी अमिट छाप छोड़ रही हैं। संकटों में, जब दुनिया ठहर जाती है, यही बालिकाएं आगे बढ़ती हैं। कोविड-19 महामारी इसका जीवंत उदाहरण है। यूनेस्को के आंकड़ों के अनुसार, उस दौरान लगभग 24 मिलियन बच्चे, विशेषकर लड़कियां, स्कूल छोड़ने के कगार पर थे। फिर भी, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरियों ने मास्क बनाए, स्वास्थ्य जागरूकता फैलाई, और ऑनलाइन शिक्षा के लिए अपने समुदायों को प्रेरित किया। यह साबित करता है कि नेतृत्व उम्र या लिंग से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प और संवेदना से परिभाषित होता है। इन प्रेरक कहानियों के बीच एक कड़वी सच्चाई भी है। यूनिसेफ की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में 129 मिलियन लड़कियां स्कूल से वंचित हैं। प्राकृतिक आपदाओं, युद्धों और गरीबी के कारण सबसे पहले इन्हीं की शिक्षा छिनती है। जलवायु परिवर्तन जैसे संकटों में, लड़कियां न केवल पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करती हैं, बल्कि सामाजिक असमानता का भी शिकार बनती हैं। बांग्लादेश और भारत में बाढ़ व चक्रवातों के दौरान लड़कियों को अक्सर परिवार की जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं, जिससे उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होते हैं। लेकिन यही लड़कियां समाधान की मशाल भी थाम रही हैं। मलावी और युगांडा में किशोरियां जलवायु कार्यकर्ता बनकर स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण और टिकाऊ खेती को बढ़ावा दे रही हैं। यह दिखाता है कि संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां केवल पीड़ित नहीं, बल्कि परिवर्तन की सशक्त अगुआ हैं। डिजिटल असमानता एक और अनदेखा संकट है। आज डिजिटल पहुंच केवल सुविधा नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है। फिर भी, इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, विकासशील देशों में केवल 37% महिलाएं और लड़कियां इंटरनेट का उपयोग करती हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आंकड़ा 43% है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों लड़कियों को स्मार्टफोन और डिजिटल शिक्षा की कमी झेलनी पड़ती है। यह केवल तकनीकी संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच का अभाव है। केन्या और नाइजीरिया में लड़कियां डिजिटल शिक्षा के लिए अभियान चला रही हैं, कोडिंग सीख रही हैं, स्टार्टअप शुरू कर रही हैं, और तकनीकी क्षेत्र में अपनी जगह बना रही हैं। यह एक नई क्रांति की शुरुआत है, जो हमें यह सवाल पूछने को मजबूर करती है–क्या हम वाकई अपनी लड़कियों को डिजिटल युग में नेतृत्व के लिए सशक्त कर रहे हैं? लड़कियों की मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास एक अनमोल शक्ति है, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। हम उन्हें सशक्त बनाने की बात करते हैं, लेकिन क्या हम उन्हें ठोकर खाकर फिर उठने का हौसला देते हैं? समाज लड़कियों से हर कदम पर पूर्णता मांगता है, पर गलतियों से सीखने की आजादी उन्हें शायद ही मिलती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, सामाजिक दबाव और लैंगिक असमानता के कारण किशोरियों में तनाव और चिंता की दर लड़कों से कहीं अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस हमें सिखाता है कि नेतृत्व का मतलब केवल जीत नहीं, बल्कि हर मुश्किल में खुद पर भरोसा कायम रखना है। हमें हर लड़की को यह यकीन दिलाना होगा कि उसकी आवाज अमूल्य है और उसकी

असफलताएं उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति का सबूत हैं। परिवर्तन की शुरुआत घर की चौखट से होती है। क्या हम अपनी बेटियों को निर्णय लेने की आजादी देते हैं? क्या उनकी राय को बेटों जितना सम्मान मिलता है? एक अध्ययन बताता है कि भारत में केवल 27% परिवार किशोरियों को घरेलू फैसलों में शामिल करते हैं। नेतृत्व की नींव घर में पड़ती है। जब एक बेटी को यह विश्वास मिलता है कि वह गलती कर सकती है, उससे सीख सकती है, और फिर दुनिया को चुनौती दे सकती है, तभी वह सच्चा नेतृत्व निभाती है। हमें एक ऐसा समाज रचना होगा जहां हर बालिका बिना डर के बोले, बिना बाधा के सीखे, और बेझिझक सपने सजाए। इसके लिए शिक्षा में समावेश, रोजगार में समानता और सामाजिक ढांचे में संवेदनशीलता अनिवार्य है। लड़कियां बदलाव की मांग नहीं करतीं–वे बदलाव का चेहरा हैं। वे ग्रेटा थनबर्ग की तरह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ दुनिया को झकझोर रही हैं। वे डिजिटल युग में तकनीकी क्रांति की नींव रख रही हैं। वे सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जो अपने समुदायों में समानता की लौ जला रही हैं। "मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं" सिर्फ एक नारा नहीं, एक अटल विश्वास है। यह हमें सिखाता है कि जब हम एक लड़की को बोलने का मंच देते हैं, तो हम भविष्य को नया आकार देते हैं। जब हम उसकी प्रतिभा पर भरोसा करते हैं, तो हम समाज को अडिग बनाते हैं। 11 अक्टूबर 2025 का अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक क्रांति का आह्वान है। यह हर उस लड़की की आवाज को बुलंद करेगा, जो अपने भीतर दुनिया बदलने की ज्वाला रखती है। जिस दिन हर लड़की निर्भय होकर कह सके–"मैं डरती नहीं, मैं नेतृत्व करती हूं"–वही दिन इस उत्सव की सच्ची जीत होगा। क्योंकि एक ऐसा समाज, जहां लड़कियां संकटों में भी मुस्कराकर आगे बढ़ें, वही सच्चे अर्थों में प्रगतिशील है।

प्रो. आरके जैन

विश्व को अशांत करने वाले मांग रहे शांति का नोबेल पुरस्कार

आज के दौर में युद्ध और शांति का फॉर्मूला कुछ यूँ बदल गया है-पहले आग लगाओ, फिर पानी छिड़कने का ढोंग करो, और अंत में "शांति दूत" की उपाधि खुद को दे दो। इस आधुनिक कूटनीति के सर्वश्रेष्ठ कलाकार नजर आते हैं वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प।आप वही व्यक्ति जो दावा करते हैं कि उन्होंने दुनिया में छह से ज़्यादा युद्ध(भारत एवं पाकिस्तान; इजरायल और ईरान; आर्मेनिया और अज़रबैजान; कांगो और रवांडा; कंबोडिया और थाइलैंड; कोसावो और सर्बिया; हमाश और इजरायल; आदि)रुकवा कर शांति बहाल की हैं अतः उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए। कुछ देशों ने तो बाकायदा उनके नाम का विधिवत चयन समिति को प्रस्ताव भी भेज दिया। इसे इन देशों का डर कहो,या रणनीति या माननीय ट्रम्प के टैरिफ प्रकोप से बचने का तरीका। वास्तव में ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में प्रवेश करते ही विश्व की राजनीति और समीकरण बड़ी तेजी से बदल रही है। सर्वप्रथम अवैधानिक रूप से कई वर्षों से रह रहे विदेशी नागरिकों को अपराधी की तरह अमेरिका से निकाला गया। उसके बाद रुस और यूक्रैन के मध्य लंबे समय से चल रहे युद्ध को रोकने के लिए माननीय पुतिन से वन टू वन मीटिंग की।इस मीटिंग से युद्ध तो रूका नहीं,अलबत्ता दोनों ओर से आक्रमण और तेज हो गये।

युद्ध न रूकवा पाने का बदला या यूं कहें खीझ भारत और चीन जैसे राष्ट्रों पर निकली, बढ़े हुए टैरिफ रैट के रूप में।मजेदार बात यह है कि यूक्रैन-रूस युद्ध के लिए केवल जिम्मेदार माना गया भारत की रूस से कच्चा तेल खरीदने की नीति को। अन्य देश भी रूस से तेल खरीद रहे ?थे पर दण्ड का भागी बना भारत और इस तरह शुरू हुआ एक अलग प्रकार का वार,जिसे 'टैरिफ वार' नाम दिया गया। अफगानिस्तान का नाम सुनते ही सभ्यता सिहर उठती है। ओसामा बिन लादेन की खोज में अमेरिका ने पूरा देश उजाड़ डाला, प्रजातांत्रिक सरकार का गला घोट दिया। "आतंक के खिलाफ़ युद्ध" के नाम पर बीस साल तक बारूद बरसाया, और जब थक गया तो पीछे छोड़ गया अस्थिर लोकतंत्र, अविश्वास और अनगिनत लाशें। विडंबना यह है कि जिस पाकिस्तान ने ओसामा को पनाह दी, जहां से पकड़ा गया,उसे आर्थिक और सैन्य सहायता देकर पुरस्कृत किया गया। दुनिया को अब समझना होगा कि अमेरिका का "आतंकवाद विरोध" और "आतंक पोषण" एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इराक़ की त्रासदी की कहानी भी कुछ कम नहीं है। "विनाशकारी हथियार" खोजने निकली अमेरिकी सेना को हथियार तो नहीं मिले, पर पूरे देश को खंडहर में बदल दिया। फिर आतंकवाद समाप्ति के नाम पर हमास-इज़राइल युद्ध का नया अध्याय शुरू हुआ। इसमें इजरायल को पूर्ण समर्थन और सहयोग मिला ट्रम्प की सरकार का।इस लड़ाई में हमास लगभग खंडहर में बदल गया। जान-माल का भी खुब नुकसान हुआ,बेकसूर नागरिक भी बेतहाशा मारे गये, पर्यावरण और इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी बहुत क्षति पहुंची, मानवता भी तार- तार हुई।अब ट्रम्प कह रहे हैं कि मैंने दोनों को युद्ध विराम के लिए राजी कर लिया है। अब मैं वहां विकास की नई कहानी लिखूंगा। ट्रम्प ने सक्ता प्राप्त करने के लिए आश्वासन दिया कि मैं राष्ट्रपति बनते ही चंद दिनों में यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करवा दूंगा, विश्व में अमन-चैन के लिए काम करुंगा। प्रयास के नाम पर अमेरिका ने यूक्रेन को न सिर्फ घातक हथियार दिए अपितु नाटो देशों को भी अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके साथ ही एक काम अनोखा किया, शांति प्रिय देश भारत, जिसका यूक्रेन-रूस युद्ध से कोई लेना-देना नहीं था,जो दोनों देशों को युद्ध के नाम पर बातचीत से मसला हल करने की सलाह दे रहा था,उसे ही युद्ध का दोषी मानते हुए उस पर उच्च टैरिफ दरों के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर करने का निर्णय लिया। जबकि चीन, उत्तर कोरिया, ईरान जैसे देश जो सीधे तौर पर रूस की मदद कर रहे हैं, उन्हें नुकसान पहुंचाने से अमेरिका बचता दिखाई दिया। शायद ट्रम्प की विदेश नीति का चरित्र भी यही है।इस दृष्टि से ट्रम्प के युद्ध सिर्फ़

हथियारों की मदद नहीं, आर्थिक भी हैं। चीन, यूरोप और भारत पर उन्होंने टैरिफ़ वॉर छेड़ दी- कहा "अमेरिका आत्मनिर्भर बनेगा।" नतीजा, वैश्विक बाज़ारों में भूचाल, महंगाई की सुनामी और अमेरिकी शटडाउन की नौबत। यह भी एक तरह का "आर्थिक युद्ध" ही था- फर्क बस इतना कि इसमें बारूद की जगह डॉलर बरसे। भारत भी इस "दोहरी शांति नीति" का साक्षी है। आतंकवाद पर दोहरे मापदंड, पाकिस्तान को अप्रत्यक्ष सहयोग और दक्षिण एशिया में अस्थिरता फैलाना- सब "शांति" के नाम पर। जब भारत ने आतंक के खिलाफ़ ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तो पश्चिमी राष्ट्र "संयम और संवाद" का प्रवचन देने लगे, पाकिस्तान के परमाणु हथियार सम्पन्न होने की दुहाई देने लगे,संयम का पाठ पढ़ाने लगे।

और जब भारत ने आंतकी ठिकानों को नष्ट करने के उपरांत अभियान स्थगित किया, तो ट्रम्प ने घोषणा कर दी- "मैंने दो परमाणु शक्तियों के बीच युद्ध रुकवा दिया।" शायद कूटनीति का नया सिद्धांत यही है- दूसरों के कर्म का श्रेय लेना और कैमरे के सामने मुस्कुराना। अब सवाल यह है - क्या शांति का नोबेल पुरस्कार उसी को मिलना चाहिए जो पहले युद्ध भड़काए, फिर शांति स्थापित करने की दुहाई दे? ट्रम्प शायद इस नए युग के सबसे सफल "युद्ध-शांति उद्यमी" हैं। वे चिनगारी भी लगाते हैं और फिर राख के ऊपर खड़े होकर घोषणा भी करते हैं- "देखो, मैंने आग बुझा दी!" यदि यही शांति की परिभाषा है, तो इतिहास के हर युद्ध प्रिय शासक को मरणोपरांत नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए- क्योंकि हर युद्ध के बाद कोई न कोई "विराम" तो आता ही है। फर्क बस इतना है कि वह विराम बारूद की राख और लाशों के ढेर पर टिका होता है।

डा मनमोहन प्रकाश

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत घर में मचा कोहराम, बिना हेलमेट के चला रहा था बाइक

लहरपुर सीतापुर में लहरपुर-भदफर मार्ग पर गुरुवार देर शाम सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई ग्राम किशुनपुर के निकट किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया जानकारी के अनुसार, पिंकू (33) पुत्र राम भूषण, निवासी चनवापुरवा मजरा किशुनपुर, बिना हेलमेट लगाए बाइक से बाजार से घर लौट रहा था इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पिंकू सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि वाहन चालक घटना स्थल से फरार हो गया हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। परिजन ने 108 एम्बुलेंस की मदद से घायल पिंकू को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लहरपुर पहुंचाया। लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और घर मातम में डूब गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश में जुटी है!!

रेरा का सख्त आदेश- अज़ियागाया डेवेलपर्स को क्लब और साझा सुविधाएं एसोसिएशन को सौंपने का निर्देश, खरीदारों को बड़ी राहत

......रेरा ने माना—प्रमोटर का क्लब को निजी स्वामित्व में रखना और व्यावसायिक उपयोग करना कानून विरुद्ध, अपार्टमेंट स्वामियों के अधिकार सर्वोपरि।

लखनऊ उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी-रेरा) ने राजधानी लखनऊ स्थित अज़ियागाया डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड की परियोजना से जुड़े एक अहम मामले में खरीदारों को बड़ी राहत दी है। रेरा की मुख्यालय खंड न्याय पीठ ने "अज़िया बोटेनिका अपार्टमेंट बायर्स एसोसिएशन बनाम अज़ियागाया डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड" प्रकरण में सुनवाई करते हुए यह महत्वपूर्ण आदेश दिया कि प्रमोटर परियोजना में निर्मित क्लब भवन और अन्य साझा सुविधाओं को अपने निजी स्वामित्व में नहीं रख सकता और न ही उन्हें व्यावसायिक रूप से उपयोग कर सकता है। मामले में अपार्टमेंट स्वामियों के संघ ने रेरा में शिकायत दर्ज कराई थी कि प्रमोटर ने बिना विधिपूर्ण सहमति के स्वीकृत लेआउट योजना में परिवर्तन कर क्लब भवन और साझा सुविधाओं को "स्वतंत्र क्षेत्र" घोषित करते हुए उन्हें अपने कब्जे में रखने और व्यावसायिक स्वरूप में इस्तेमाल करने का प्रयास किया। रेरा की पीठ ने विस्तृत सुनवाई और जांच के बाद माना कि प्रमोटर की यह कार्रवाई कानूनी प्रावधानों के विपरीत है और खरीदारों के अधिकारों का उल्लंघन करती है। पीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रमोटर अब क्लब भवन, साझा क्षेत्र और सुविधाओं पर किसी भी प्रकार का स्वामित्व या नियंत्रण नहीं रखेगा तथा उन्हें व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं करेगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम फरहत सईद खान आयु लगभग 70 वर्ष पुत्र स्व0 अहमद सईद खान निवासी-ब्लाक-ए-203, शालीमार एमरेल्ड, जापलिंग रोड, हजरतगंज, लखनऊ का निवासी हूँ मेरा सलमान सईद खान पुत्र स्व0 अहमद सईद खान निवासी-35, श्याम कुंज कालोनी, खुर्रम नगर, विकास नगर, लखनऊ से किसी प्रकार का कोई वास्ता व सरोकार अथवा कोई लेन-देन नहीं है द्य सलमान सईद खान द्वारा किसी व्यक्ति से धोखाधड़ी करके रूपये पैसे का लेन-देन व जालसाजी या कोई विधि विरूद्ध कार्य करते है तो उसकी जिम्मेदारी स्वयं सलमान सईद खान की होगी, मुझसे कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। यदि सलमान सईद खान किसी व्यक्ति/संस्था/कम्पनी से कोई लेन-देन अथवा किसी प्रकार की जालसाजी करता है तो उसकी जिम्मेदारी सलमान सईद खान व संस्था/कम्पनी/व्यक्ति स्वयं की होगी, शपथी की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना

सूचित किया जाता है कि प्रीति सिंह पुत्री तारकेश्वर सिंह ग्राम खुनशेषपुर पोस्ट रिखपुर तहसील लंभुआ जनपद सुल्तानपुर उ.प्र. की स्थाई निवासिनी है। जिनकी संपूर्णानंद विश्वविद्यालय वाराणसी से सम्बद्ध श्री राजगोपाल संस्कृत महाविद्यालय अयोध्या से वर्ष 2014 में उत्तीर्ण आचार्य की द्वितीय वर्ष की मार्कशीट, जिसका रोल नंबर 573396 एवं महाविद्यालय कोड 1240 है, जो लंभुआ से घर जाते समय कहीं गिर गई है। अतः निवेदन है कि यदि किसी सज्जन को मिले तो 7309270903 पर सूचित करें।

भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगे डीपीआरओ

● जांच टीम गठित करने कर रहे हीला हवाली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर ऐलिया ब्लाक मुख्यालय पर पसनैका के ग्रामीणों का अनिश्चित कालीन धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। धरनारत ग्रामीणों की सुनवाई करने की सुधि जनपद के किसी अधिकारी ने अब तक नहीं ली है। जिसको लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण आहत हैं। धरनारत ग्रामीणों ने तीसरे दिन निर्णय लेते हुये कहा कि पंचायत विभाग भ्रष्टाचार के अकंठ में डूबा चुका है। वह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कायाकल्प व एसबीएम धरातल तक नहीं पहुंचा सका है। फर्जी रिपोर्ट प्रेषित कर सरकार को जरूर गुमराह करने में सफल रहा है। परन्तु हकीकत छिपाकर सरकार की जो किरकिरी करा रहा है। वह आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा पर विपरीत असर डाल सकता है।धरनारत ग्रामीणों ने रविवार से भूख हड़ताल करने का निर्णय लेते हुये बीडीओ कार्यालय में सूचना उपलब्ध कराने

का प्रयास किया जिसे कार्यालय कर्मियों ने रिसीव करने से मना कर दिया। लेकिन उनके मना करने का हम लोगों पर कोई असर नहीं पड़ता है।

धरने की अगुवाई करने वाले वरिष्ठ पत्रकार सरोज सिंह का कहना है कि ग्राम पंचायत में प्राथमिक विद्यालय पसनैका में वर्श 2021-22 में दो मूत्रालय बनवाये गये जिनके मरम्मत पर भी वर्ष 2023-24 में हजारों रूपये व्यय दर्शाकर हड़पे गये, सामुदायिक शौंचालय में पानी व्यवस्था हेतु हैण्डपम्प न लगाकर धन हड़पा गया, पक्के काम पर रोंक के बावजूद बेंच खरीद हुई, स्ट्रीट लाइट लगी, परन्तु जरूरी कार्य शौंचालय पर ध्यान नहीं दिया। स्कूलो वॉटर कूलर तो लगे लेकिन कम समय में ही निष्क्रिय हो गये। सामुदायिक शौंचालय में विजली विल, साबुन, ब्लीचिंग पाउडर, हार्पिक आदि के नाम केयर टेकर को तीन हजार रूपये भुगतान न देकर फर्म को भुगतान किया गया। जो शासन के निर्देश विपरीत है। हर तरह से शासकीय धनराशि का दुरूपयोग होने के बावजूद जांच के नाम पर हीला हवाली सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर भारी पड़ता दिख रहा है। ऐसे में हम अपने अधिकार हेतु रविवार से अनिश्चित कालीन धरना भूंख हड़ताल में बदलेंगे। धरने पर कामता, सुनील, किशोरी लाल, संतराम, प्रमोद, परवन, प्यारेलाल , मनोज , जसवंत आदि दो दर्जन ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि पर सरकारी ज़मीन कब्ज़ाने का आरोप, पीड़िता ने एसडीएम और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। एक तो चोरी ऊपर से सीना जोरी वाली कहावत सत्य साबित हो रही है। ग्राम पंचायत में दर्ज ऊसर की भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा करके उस जमीन पर कॉम्पलेक्स बना लिया, जब इससे भी जी नहीं भरा तो पड़ोस में विधवा की जमीन की तरफ दरवाजा लगा और बांस बल्ली गाड़कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसकी शिकायत महिला ने अधिकारियों से की है। मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के अटौरा गांव की रहने वाली विधवा कृष्णावती पत्नी स्व0 कृष्णपाल ने उप जिलाधिकाकारी मलिहाबाद को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि भूमि गाटा संख्या 107 आबादी की जमीन है उसका मकान हुआ है, जिसकी घरौनी भी उसके पास है,बारिश की वजह से मकान गिर गया था। इसी गाटा संख्या से सटे गाटा संख्या 106ख जो उसर में दर्ज है जिसमें करीब आधा बिस्वा जमीन पर हमारा कब्जा 30 वर्षो से चला आ रहा है,जिस पर घूरा डालते हैं और जानवर बांध देते हैं। जिसका वाद एसडीएम न्यायालय मलिहाबाद में 167क के तहत विचाराधीन है। लेकिन गाटा संख्या 106ख पर समाजवादी पार्टी से जिला पंचायत सदस्य पार्वती के पति (प्रतिनिधि) विजय कुमार ने ऊसर में दर्ज

भूमि पर अवैध तरीके से कब्जा कर कॉम्पलेक्स बना लिया है। जिसकी शिकायत थाना व एसडीएम के साथ साथ मुख्यमंत्री हेल्प लाइन 1076 पर दर्ज कराई जा चुकी है हेल्प लाइन शिकायत संख्या 92515700070423 है। पीड़िता ने बताया कि शिकायत के बाद बुधवार को क्षेत्रीय लेखपाल अविनाश चंद्र ओझा मौके पर जाकर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विजय कुमार को बुलाकर मौके की जांच की जिसमें इस बात की पुष्टि हुई कि ऊसर की ही जमीन पर विजय कुमार पुत्र भूपति द्वारा अवैध तरीके से कब्जा कर अवैध निर्माण कराया है। महिला ने आरोप लगाते हुए बताया कि क्षेत्रीय दरोगा सैय्याद हुसैन खान मेरी जमीन पर कब्जा कराने में मेरे विपक्षी विजय कुमार को संरक्षण दे रहे हैं। इस सम्बन्ध में तहसीलदार मलिहाबाद के सीयूजी नंबर पर बात करने के लिए फोन मिलाया लेकिन उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत महिलाओं तथा बालिकाओं को पुलिस ने किया जागरूक

सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत थाना मोहाना अंतर्गत कस्बा बर्डपुर स्थित स्वामी विवेकानंद उत्तर माध्यमिक विद्यालय सहजनवा में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं, बालिकाओं से संवाद किया गया। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओ को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों तथा वूमेन पावर लाइन-1090 , पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा- 102, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैडटच के बारे में घरेलू हिंसा, साइबर अपराधों के बारे में साइबर हेल्पलाइन- 1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई । इस दौरान उप निरीक्षक सुनील कुमार यादव, जयमाल, महिला आरक्षी अंकिता सिंह, सारिका सिंह शामिल रही।

सुहाना जैन बनी सवर्ण युवा महासभा की हरदोई जिला अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। सवर्ण युवा महासभा, बिलग्राम चुंगी कार्यालय पर शुक्रवार को कमलेश अवस्थी राष्ट्रीय सचिव की संस्तुति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील शुक्ला एवं प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह की अनुमति से जनपद हरदोई की समाज सेविका सुहाना जैन को सवर्ण युवा महासभा का जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ मनोनीत किया गया। सुहाना जैन सवर्ण युवा महासभा की विचारधारा से प्रेरित होकर आज अपने तमाम समर्थकों के साथ सवर्ण युवा महासभा के बिलग्राम चुंगी स्थित कार्यालय पर पहुंची जहां जिला अध्यक्ष निशांत दीक्षित ने उनका स्वागत किया। कार्यालय पर उपस्थित तमाम कार्यकर्ताओं और सुहाना जैन के समर्थन में आए लोगों की उपस्थिति में सुहाना जैन को जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ बनाए जाने की घोषणा की गई। उपस्थित पदाधिकारी ने माला पहनकर उनका स्वागत किया। कमलेश अवस्थी राष्ट्रीय सचिव ने संगठन का पटका पहनकर एवं मनोनयन पत्र देकर उन्हें जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी सौंपी।

कमलेश अवस्थी राष्ट्रीय सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील शुक्ला के निर्देश में संगठन तेजी से आगे बढ़ रहा है "गर्व से कहो हम हिंदू हैं भारत को हिंदू राष्ट्र बनाएंगे" की दिशा में हम लोगों तक अपनी बात पहुंचा रहे हैं जिससे प्रभावित होकर आज शहर की जानी-मानी हस्ती एवं समाजसेविका सुहाना जैन ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की और उन्हें जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जिला अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर उन्हें बधाई देते हुए संगठन की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने की बात कहीं।

सुहाना जैन ने जिला अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करने के बाद महिलाओं को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि संगठन की जो विचारधारा है उससे मैं

प्रभावित हूं भारत को हिंदू राष्ट्र बनाए जाने , जातिगत आरक्षण और समाज को बांटने वाले एससी एसटी एक्ट के लिए हम समाज को जागरूक करेंगे उन्हें संगठन से जोड़ने का काम करेंगे हर एक वर्ग संगठन से जुड़े सामाजिक समरसता स्थापित हो यही मेरा निरंतर प्रयास होगा। मनोनयन कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष श्री निशांत दिक्षित,अमित द्विवेदी टीटू सिंह विक्रम सिंह राजेश अवस्थी रजनीश चंद्र पांडे शिवा, कमलेश गुप्ता अनुराग अवस्थी नीरज अवस्थी प्रमोद कश्यप, पंकज शुक्ला राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा सोच विचार मंच इत्यादि एवं भारी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

दूसरी पंचायत के लोगों को बुला कर संपन्न कराई सोशल ऑडिट बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद,लखनऊ। ग्राम पंचायतों में पूरे वित्तीय वर्ष में कराए गए कार्यो को पारदर्शी तरीक़े से सरकार की योजनाओं का आमजन की जानकारी में लाने के लिए प्रतिवर्ष सोशल ऑडिट बैठक का आयोजन करने का प्रावधान पंचायत नियमावली में है। सोशल ऑडिट का उद्देश्य मनरेगा प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं में पारदर्शिता लाना है। इन दिनों ग्राम पंचायतों मे मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-2025 में कराए गए कार्यो का सोशल ऑडिट चल रहा है। शुक्रवार को विकास खंड मलिहाबाद की ग्राम पंचायत टिकैत गंज में सोशल ऑडिट ग्राम सभा बैठकों का आयोजन किया गया। कहने को यह बैठकें थी पर मानकों को दर किनार करते हुए बस किसी तरह औपचारिकता पूरी कर दीं गई।

किसी भी प्रधान ने नहीं कराई मुनादी जिससे ग्रामीणों को नही पता चला विकास कार्य

दर्जनों ग्रामीणों के लोगों का आरोप है कि साल भर में प्रधानों/ सचिवों /तकनीकी सहायकों ने जमकर विकास के नाम पर पंचायत के धन की मलाई काटने के बाद भ्रष्टाचार छुपाने के लिए खुली बैठक अयोजित करने के लिए मुनादी इस लिए नही कराई कि उनके भ्रष्टाचार का खेल ग्रामीणों के सामने न खुल जाए इसलिए अपने कुछ चुनिंदा चहेतों को बुलाकर हस्ताक्षर करवा कर बैठक का कोरम पूरा कर लिया गया।

ग्राम पंचायत टिकैतगंज

यहां सोशल आडिट टीम के अलावा, रोजगार सेवक और तकनीकी सहायक की मौजूदगी रही लेकिन वही सचिव नीरज गौतम अनुपस्थिति बैठक से नदारद रहे। फकीर की अध्यक्षता में महिला पुरूष सिर्फ 12 लोग ही बैठक में शामिल हुए। बैठक में प्रतिभाग करने आए लक्ष्मन, चुकंदर सहित मात्र एक अन्य सहित मात्र तीन लोग टिकैतगंज ग्राम पंचायत के निवासी बैठक में थे और अन्य नौ लोग ग्राम पंचायत मंडौली के लोग बैठक में उपस्थिति दर्ज कराई ।मनरेगा श्रमिक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हम लोगों को बैठक में बुलाया गया था बैठक क्यों और किस लिए की जा रही हैं इसकी जानकारी नहीं दी गई थी और बैठक में सिर्फ दस से बारह लोग ही आए थे और एक सादे रजिस्टर पर सभी लोगों से हस्ताक्षर व अंगूठा लगवा लिया गया और न ही कुछ पूछा गया न कुछ पढ़कर कराए गए विकास कार्यो को सुनाया गया। बैठक में श्रमिक स्वश्र प्रकाश रावत की पत्नी ने मजदूरी का पैसा न आने की बात की तो उनकी बात पर बैठक में उपस्थित किसी जिम्मेदार ने भी ध्यान नहीं दिया। वहीं उपस्थित ग्रामीणों का कहना है कि जब किसी समस्या का समाधान करना ही

नहीं है तो ऐसी सोशल आडिट बैठक का क्या मतलब। एक वर्ष में क्या विकास कार्य कराए गए उनकी जानकारी हम लोगों को नहीं है, और बैठक में इसका जिक्र भी नहीं किया गया। ग्राम प्रधान व सोशल आडिट टीम द्वारा गांव में प्रचार प्रसार भी नहीं किया गया और बैठक से ग्राम प्रधान नदारद भी रहा। कुछ ग्राम पंचायत के लोगों को व अन्य पंचायत से बुलाकर बैठक की खानापूर्ति कर दी गई। वहीं बैठक में उपस्थित रोजगार सेवक लल्लू मौर्य सोशल आडिट टीम मॉनिटर बीआरपी शीला से वित्तीय वर्ष 2024-2025 में कराए गए कार्यो व खर्च में पाई गई कमियों की जानकारी देने की बात की तो उन्होंने ऊपर से न देने की बात कहते हुए साफ मना कर दिया। बीआरपी शीला ने कहा कि सोशल आडिट कार्यालय से कहा गया है कि 12 से 01 बजे तक हर हाल में बैठक को समाप्त कर घर चले जाना।

विस्फोटक सामग्री जप्त कर युवक को भेजा गया जेल

बिसवां/सीतापुर पुलिस अधीक्षक सीतापुर के निर्देश पर पटाखे की अवैध बिक्री के संबंध में चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत क्षेत्राधिकारी व प्रभारी निरीक्षक बिसवां के निर्देशन में नगर में कुछ विस्फोटक सामग्री पटाखे आदि का अवैध भंडारण पकड़ा गया है जो आर .के. ग्रैंड होटल के पीछे एक बंद पड़ी दुकान में रखा था। भंडारण का कोई भी लाइसेंस नहीं था तथा सुरक्षा संबंधी कोई भी उपकरण भी मौजूद नहीं थे। पुलिस ने मौके पर रईस अहमद पुत्र स्वर्गीय महंगू निवासी मिल्की टोला बिसवां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है तथा उनके खिलाफ मुं0अ0स0 480/ 2025 धारा 5/9 ख विस्फोटक अधिनियम 1984 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है। टीम में उप निरीक्षक सुधाकर सिंह उप निरीक्षक फूलचंद उप निरीक्षक आशुतोष मिश्रा व कांस्टेबल सौरभ आकाश सत्येंद्र कुमार सचिन नफीस प्रशांत कुमार शामिल है।

सीतापुर के चंद्रशेखर प्रजापति को हरिद्वार उत्तराखंड में 'विद्यावाचस्पति'(Ph.D.) मानद उपाधि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली/ सीतापुर। तहसील क्षेत्र के सरौरा खुर्द निवासी युवा साहित्यकार एवं शिक्षाविद् चंद्रशेखर प्रजापति को उनकी साहित्यिक एवं शैक्षिक उपलब्धियों के लिए विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार) द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन-सह-सम्मान समारोह में "विद्यावाचस्पति (Ph.D.)" की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह भव्य समारोह उत्तराखंड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार के ऑडिटोरियम में अत्यंत गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के राज्य मंत्री श्याम वीर सैनी जी एवं संस्कृत अकादमी के शिक्षा निदेशक डॉ. आनंद भारद्वाज जी रहे, जिन्होंने संयुक्त रूप से यह विशिष्ट सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यापीठ के कुलाधिपति डॉ. राम जन्म मिश्र सहित देशभर के अनेक वरेण्य विद्वान, शिक्षाविद् और साहित्य साधक उपस्थित रहे। डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति को यह विशेष मानद डॉक्टरेट उपाधि उनके बहुआयामी साहित्यिक योगदान, सामाजिक चेतना से युक्त रचनात्मक लेखन, तथा शैक्षिक प्रदेयों के लिए प्रदान की गई। इस

सुखद समाचार से जनपद सीतापुर एवं समूचे साहित्यिक जगत में हर्ष की लहर दौड़ गई। शुभचिंतकों, साहित्यकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाइयाँ प्रेषित कीं। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से सांसद राकेश राठौर, अध्यक्ष गंगाराम राजपूत, विधायक मनीष रावत, डॉ गंगा प्रसाद शर्मा, शिक्षाविद् आर. डी. वर्मा, पूर्व विधायक महेंद्र प्रताप सिंह यादव, गुरुजी आचार्य नंदीलाल 'निराश', कवि एवं साहित्यकार डॉ. देवेंद्र कश्यप 'निडर', डॉ. अजय वर्मा, समाजसेवी डॉ. संदीप यादव, पिंकी प्रजापति, पूजा वर्मा, कवि रोहित विश्वकर्मा, नीतू वर्मा, सुरेंद्रकांत मौर्य, इमरान मंसूरी, आसमा खान, डायट प्रवक्ता अमित कुमार, तथा डॉ. राजवीर शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि "यह सम्मान न केवल डॉ. चंद्रशेखर की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि सीतापुर की साहित्यिक और सांस्कृतिक धरती का गौरव बढ़ाने वाला क्षण है।"

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ मुजफ्फरनगर अनिश्चितकालीन धरने के चौथे दिन भी संघर्ष जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुजफ्फरनगर। आज दिनाँक 10.10.2025 को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद मुजफ्फरनगर द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर चल रहे अनिश्चितकालीन धरने के चौथे दिन भी संघर्ष जारी रहा। धरने की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ0 अमित कुमार जैन ने जनपद की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी (माध्यमिक) के मनमाने ढंग सके कार्य करने की शैली के कारण आज धरने के चौथे दिन भी किसी समस्या के निराकरण का आश्वासन प्राप्त नही हुआ है आज तक की समस्याएं जस की तस बनी हुई है।

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला संरक्षक शिवकुमार यादव ने बताया कि उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ शिक्षको के आत्मसम्मान एवं अधिकारों के लिये

कृतसंकल्पित हैं आज के बदलते युग में भी शिक्षक समुदाय अपने कर्त्तव्यों के प्रति तत्पर है परन्तु जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय उनकी समस्याओं के निराकरण में असमर्थ है जो खेद का विषय है।

जिला मंत्री अरुण कुमार ने कहा कि एन0 पी0 एस0 की ग्रांट होने के बाद भी उक्त धनराशि को स्थानान्तरित नही किया जा रहा है। जिला कोषाध्यक्ष ने बताया कि जनपद के विभिन्न शिक्षक/शिक्षिकाओं के विभिन्न प्रकार के अवशेषो का भुगतान लम्बा समय बीत जाने के बाद भी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय एवं वित्त लेखाधिकारी के कार्यालय पर लम्बित है। धरने में मुख्य रूप से प्रधानाचार्य राजेन्द्र सिंह, डॉ सुरेन्द्र सिंह, समुन्दर सेन, विनोद कुमार,प्रीत वर्धन शर्मा, मानपाल सिंह, संजीव त्यागी, धर्मपाल, बिजेंद्र बहादुर, सुरेन्द्रपाल सिंह, सुभाषचंद्र, राजेश कुमार, हेमन्त बिश्नोई, अरूण कुमार कौशिक, सुनिता जैन, बबीता जैन, अलीशा आबिद, मोनी धीमान,रवि प्रकाश यादव, सनव्वर, सर्वेश कुमार, अरविन्द दुबे, रामसिंह यादव, प्रदीप कुमार, अब्दुल सत्तार, जय प्रकाश सरोज, डा0 अमित कुमार वर्मा, प्रशान्त आदि सैकडो शिक्षक उपस्थित रहे।

हमारा गांव अब तकनीक से सुरक्षित रहेगा-ग्राम प्रधान सर्वेश रावत

● ग्राम प्रधान ने गांव के मुख्य मार्गों पर लगवाए सीसीटीवी कैमरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ के गांवों में चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए विकासखंड मलिहाबाद की ग्राम पंचायत महमूद नगर के प्रधान सर्वेश रावत ने एक सराहनीय पहल की है। उन्होंने गांव की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए नेजाभारी, खेड़ा, पाठकगंज व महमूद नगर के मुख्य मार्गों और प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं। ग्राम प्रधान ने बताया कि पूरी ग्राम पंचायत में अब तक डेढ़ दर्जन कैमरे लगाए जा चुके हैं, शेष जगहों पर अभी और कैमरे लगाएं जाएंगे। इस कदम को ग्रामीणों ने एक बेहतरीन और दूरदर्शी निर्णय बताते हुए ग्राम प्रधान की जमकर प्रशंसा की। हाल के महीनों में क्षेत्र के कई गांवों में चोरी और संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। ऐसे में ग्राम प्रधान सर्वेश रावत ने बिना किसी देरी के गांव की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का बीड़ा उठाया। उनकी पहल पर गांवों में कई स्थानों पर कैमरे लगाए गए हैं, जिससे गांव की हर गतिविधि अब कैमरों की निगरानी में रहेगी। सर्वेश रावत ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल चोरी रोकना नहीं, बल्कि गांव में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण बनाना है। उन्होंने कहा, हमारा गांव अब तकनीक से सुरक्षित रहेगा। अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति गांव में आता है, तो उसकी गतिविधि कैमरे में रिकॉर्ड हो जाएगी, जिससे पुलिस को भी मदद मिलेगी। गांव के बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं ने प्रधान की इस पहल को बेहद सराहा। ग्रामीणों ने कहा कि यह कार्य सिर्फ एक सुरक्षा कदम नहीं, बल्कि ग्राम विकास की दिशा में उठाया गया एक आधुनिक सोच का उदाहरण है। ग्रामवासी अनय पाठक, संतोष द्विवेदी, राजीव तिवारी (गोलू मामा), कार्तिक पाठक (कुक्की), रंजीत रावत, राकेश कुमार (छोटू टेलर), अंकित रावत, और शिवकुमार ने कहा कि सर्वेश रावत हमेशा गांव के विकास के लिए सक्रिय रहते हैं, चाहे वह स्वच्छता अभियान हो, सड़क निर्माण, जल निकासी की व्यवस्था या अब सुरक्षा से जुड़ा यह बड़ा कदम।

गांव की गलियों में अब न केवल कैमरे लगे हैं, बल्कि लोगों में एक नया आत्मविश्वास भी पैदा हुआ है। वहीं

महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को रात के समय भयमुक्त माहौल मिला है। ग्रामीणों ने सर्वेश रावत को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसा जागरूक और कर्मठ प्रधान ही गांव की असली पहचान होता है। ग्रामीण अब गर्व से कह रहे हैं कि हमारे प्रधान सर्वेश रावत सिर्फ नेतृत्व नहीं करते, बल्कि गांव की हर समस्या को अपना कर्तव्य समझकर हल करते हैं। उनकी यह पहल न केवल अन्य ग्राम प्रधानों के लिए प्रेरणा है, बल्कि यह भी साबित करती है कि अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो सीमित संसाधनों में भी गांव को सुरक्षित और विकसित बनाया जा सकता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गनेशपुर विकास खण्ड लखीमपुर-खीरी

निविदा सूचना

पत्रांक - मेमो, दिनांक //19/04/2025 एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024/25 में पंचमराज्य/पन्द्रहवां वित्त/ग्राम निधि/मनरेगा योजनांतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत गनेशपुर विकास खण्ड लखीमपुर में स्वीकृत कार्ययोजना के सापेक्ष निम्न लिखित विवरण के अनुसार निर्माण सामग्री इत्यादि की आपूर्ति किये जाने हेतु निविदायें आमंत्रित हैं। इच्छुक अनुभवी पंजीकृत फर्मो से उनकी निविदायें सीलबंद लिफाफे में दिनाँक 20/04/2025 को समय 11:00 बजे तक कार्यालय में रखे निविदा बॉक्स में आमंत्रित हैं, जो कि 28/04/2025 अपराह्न 4:00 बजे निविदादाताओं/प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी निविदा की दरें समस्त व्यय व कर सहित दी जायें, अलग से कोई भी व्यय देय नहीं होगा।किसी भी एक अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने एवं सामग्री की मात्रा को आवश्यकतानुसार कम या अधिक क्रय करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
डामर रोड से भारत प्रसाद के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	499400.00

संदीप कुमार वर्मा
प्रधान
ग्राम पंचायत गनेशपुर
विकास खण्ड लखीमपुर-खीरी

शालिनी शर्मा
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत गनेशपुर
विकास खण्ड लखीमपुर-खीरी

संक्षिप्त खबरें

सीसीबरगांव के पास गाई नदी तट में एक युवती का शव उद्धार

इलाके में तनाव का माहौल है

असम धेमाजी। आज सुबह सीसीबर गांव से लगभग 4 किलोमीटर दूर गाई नदी के किनारे रेलवे पुल के पास एक 20 वर्षीय एक युवती का शव लावारिस हालत में मिला। पीड़िता की पहचान धेमाजी के

बिष्णुपुर के शीलआली माजगांव निवासी ज्योतिका कलिता के रूप में हुई है। पीड़िता का चेहरा काला पड़ा था और उसके मुंह से झाग निकल रहा था। शव के पास से एक हीरो स्कूटर (ह्स-22-च्च-2117) बरामद किया गया। शव के पास से एक हैंड बैग, कुछ नीली वस्तुएं और एक पानी की बोतल भी बरामद की गई। घटना स्थल से सीसीबरगांव पुलिस ने शव को उद्धार कर पोस्टमॉर्टम के लिए धेमाजी सिविल हॉस्पिटल भेज दिया गया। अब असली रहस्य पुलिस जाँच के बाद ही सामने आएगा इए हत्याकांड है या और कुछ।

57.44 लाख की धोखाधड़ी में शामिल दो आरोपी खुद थाने पहुंचे

दोनों ने पुलिस को 11 लाख रुपये सरेंडर किये

मथुरा। थाना फरह पुलिस द्वारा पार्सल शिपमेन्ट कम्पनी से षडयंत्र कर धोखाधडी कर चोरी करने वाले दो वाछिंत अभियुक्तों को किया गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 11 लाख रुपये बरामद किये गये हैं। नितिन पुत्र स्व. वेदप्रकाश निवासी जाण्डवाली पतरामगेट नियर सुनारों की गौशाला भिवानी थाना भिवानी जिला भिवानी हरियाणा एवं विकास पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी खुशखेडा रोड प्रधान कालोनी नियर महाराजा पैलेस टपोखरा थाना टपोखरा जिला खैरतल तिजारा राजस्थान को थाना परिसर से षडयंत्र कर धोखाधडी कर चोरी के 11 लाख रूपयो के साथ किया गिरफ्तार। विधिक कार्यवाही करते हुये न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। 22 सितम्बर को अरुण, संजय सिंह व अन्य साथी नाम पता अज्ञात द्वारा षडयन्त्र कर धोखाधडी से शिकायतकर्ता शिपमेन्ट कम्पनी के 134 (इंटेल प्रोसेसर) वास्तविक शिपमेंट्स (कीमत 57.44 लाख) को चोरी कर जाली नकली शिपमेंट्स से बदल देने के सम्बन्ध में थाने पर अभियोग पंजीकृत कराया गया था। 23 अक्टूबर को संजय सिंह पुत्र रेशमपाल सिंह व गोविन्द पुत्र डालचन्द को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था तथा विवेचना के दौरान सीडीआर अवलोकन, सीसीटीवी फुजेट, पूछताछ व अन्य साक्ष्य संलकन से नितिन व विकास अनुज, सोनू के नाम प्रकाश में आने पर थाना फरह पुलिस द्वारा उनके घरों का पता लगाकर तलाश किये जाने पर और न मिलने पर परिजनों को थाने पर प्रस्तुत करने के लिये बताये जाने पर नितिन व विकास अपने परिजनों के साथ थाने पर पहुंचे।

घाटमपुर सर्किल के 06 थाने प्रदेश में अव्वल

कानपुर नगर/घाटमपुर सर्किल के 06 थानों में जनसुनवाई,आईजीआरएस/पोर्टल में आई विभिन्न शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने में घाटमपुर सर्किल के 06 थाने प्रदेश में अव्वल रहे, घाटमपुर एसीपी क्रष्ण कान्त यादव ने सभी थाना प्रभारियों को जनसुनवाई का गुणवत्तापूर्ण समय से निस्तारण करने के निर्देश देने के साथ उनकी टीम को बधाई दी है, उन्होंने कहा कि आप सभी शिकायतों का समय से निस्तारण करें, घाटमपुर एसीपी क्रष्ण कान्त यादव ने बताया कि बीतें सितंबर महीने के जनसुनवाई पोर्टल में आई विभिन्न शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए घाटमपुर सर्किल क्षेत्र के थाना सजेती, थाना घाटमपुर, थाना रेउना, थाना बिधनू, थाना साढ़, थाना सेन पश्चिम पारा को उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान मिला है, कानपुर के घाटमपुर सर्किल क्षेत्र के सभी 06 थानों ने जनसुनवाई पोर्टल में मिलने वाली शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया है,, जिसके चलते सजेती, घाटमपुर,रेउना, बिधनू, साढ़,सेन पश्चिम पारा, थानों को 100 में 100अन्क प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं, प्रदेश में आंकड़ा जारी होने के बाद घाटमपुर एसीपी क्रष्ण कान्त यादव ने थाना प्रभारियों और पुलिस कर्मियों को शिकायतों का समय से निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं, इसके साथ उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी है, आपको बताते चलें कि अगस्त महीने में जनसुनवाई आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में में घाटमपुर सर्किल के सजेगी,रेउना, बिधनू, साढ़ ,100मे 100 अंक लाकर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है, वहीं सर्किल क्षेत्र के घाटमपुर और सेन पश्चिम पारा दूसरे स्थान पर रहे।

वाइट हाउस कमेटी को कोसता रह गया, इधर जीत के बाद मारिया कोरिना ने नोबेल प्राइज ट्रंप को ही किया समर्पित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने शुक्रवार को नोबेल शांति पुरस्कार जीतने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे वेनेजुएला के पीड़ित लोगों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को समर्पित किया। मचाडो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा सभी वेनेजुएलावासियों के संघर्ष को यह मान्यता हमारे कार्य को पूरा करने के लिए एक प्रोत्साहन है। उन्होंने उस समर्थन पर ज़ोर दिया जिसकी उन्हें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों से उन्हें आगे भी समर्थन मिलता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि हम जीत की दहलीज़ पर हैं और आज, पहले से कहीं ज़्यादा, हम राष्ट्रपति ट्रंप, संयुक्त राज्य अमेरिका की जनता, लैटिन अमेरिका की जनता और दुनिया के लोकतांत्रिक देशों पर भरोसा करते हैं, क्योंकि ये स्वतंत्रता और लोकतंत्र हासिल करने के हमारे प्रमुख सहयोगी हैं।

मचाडो ने यह पुरस्कार अपने साथी नागरिकों को समर्पित किया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं यह पुरस्कार वेनेजुएला के पीड़ित लोगों और हमारे मुद्दे के प्रति उनके निर्णायक समर्थन के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प को समर्पित करती हूँ! नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने घोषणा की कि वह 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार डोनाल्ड ट्रम्प के बजाय मारिया कोरिना मचाडो को देगी, तो व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति शांति समझौते करना, युद्ध समाप्त करना और जीवन बचाना जारी रखेंगे। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक ने एक्स पर लिखा राष्ट्रपति ट्रम्प शांति समझौते करते रहेंगे, युद्ध समाप्त करते रहेंगे और लोगों की जान बचाते रहेंगे। उनका दिल मानवतावादी है, और उनके जैसा कोई नहीं होगा जो अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से पहाड़ों को हिला सके। हालाँकि, व्हाइट हाउस ने नोबेल समिति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने शांति के स्थान पर राजनीति को चुना। डोनाल्ड ट्रम्प ने अभी तक मारिया कोरिना मचाडो की नोबेल जीत पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालाँकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अतीत में मचाडो और उनके सहयोगियों के लोकतंत्र आंदोलन का समर्थन किया है। इस वर्ष जनवरी में, जब वेनेजुएला के कराकस में निकोलस मादुरो के खिलाफ सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान मचाडो को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था, तो ट्रम्प ने उनकी सुरक्षा की मांग की थी। वेनेजुएला के विपक्ष के साथ-साथ अमेरिका ने भी कथित तौर पर कहा था कि मादुरो ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव को चुरा लिया है, और तर्क दिया था कि मचाडो द्वारा समर्थित एडुमुंडो गोंजालेज ही असली विजेता थे।

घाटमपुर के श्रीनगर में खुले नाले से खतरा, जिम्मेदार मौन

कानपुर नगर/घाटमपुर ब्लाक के श्रीनगर गांव में एक खुला नाला स्थानीय निवासियों और राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है,दो साल पहले इसका निर्माण शुरू हुआ था, लेकिन यह अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे लोगों के गिरने का जोखिम बढ़ गया है, ग्राम पंचायत श्रीनगर ने मुगल रोड से सजेती मार्ग पर लगभग 24 लाख रुपए की लागत से 300 मीटर आरसीसी सड़क और नाली का निर्माण कराया था, लेकिन नाले का काम अधूरा रह गया, जिससे यह खुला और क्षतिग्रस्त स्थित में हैं,इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 1500 लोगों का आवागमन होता है, जिनमें स्कूली बच्चे भी शामिल हैं,खुले नाले के कारण उनके लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है, गांव निवासी दिनेश सिंह टिल्लू, धमेंद्र,विनोद और मनोज सिंह ने बताया कि उन्होंने दो साल पहले भी ग्राम सचिव से नाले के निमार्ण की शिकायत की थी, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई,इस मामले पर ग्राम पंचायत सचिव चंद्राकर ने बताया कि नाले का सर्वे पूरा हो चुका है और इसका निर्माण कार्य जल्द ही शुरू करा दिया जाएगा।

कप्तान स्कूल बुढार में किया गया विधिक जागरूकता शिविर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष महोदय श्री काशीनाथ सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल के निर्देशन में एवं श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, बुढ़ार एवं श्री विजेंद्र सिंह रावत एवं श्री लक्ष्मण रोहित व्यवहार न्यायाधीश बुढ़ार की उपस्थिति में दिनांक 10 अक्टूबर 2025 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में कप्तान स्कूल बुढ़ार में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को कानून से संबंधित जानकारी, पॉक्सो एक्ट, संविधान से संबंधित प्रश्न/वार्तालाप, डिजिटल अरेस्ट, मौलिक अधिकार, एवं अन्य विषयों में जागरूक किया गया। शिविर में कप्तान स्कूल एवं कन्या हायर सेकेंण्डरी के प्राचार्य डॉ0 देवेंद्र श्रीवास्तव, व शिक्षक राम गोपाल मिश्रा, श्रीमती कविता पयासी, डॉ. शाइस्ताजबीं सिद्दीकी, श्रीमती रश्मि शुक्ला, अशोक भुमिया, शैलेंद्र कुमार गर्ग, श्रीमती साधना शर्मा, श्रीमती सीमा अग्रवाल, राकेश कुमार गुप्ता, बद्री प्रसाद साहू, श्रीमती नीतू सिंह, श्रीमती मीरा शर्मा एवं विधिक सेवा समिति न्यायालय बुढ़ार से संबंद्ध सामाजिक कार्यकर्ता अभिषेक मुखर्जी उपस्थित रहे।

श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर में पहली बार स्वास्थ्य सेवा के %मेघा हेल्थ कैंप% का आयोजन किया गया

● 50 से अधिक बीमारियों की पूर्ण जांच, निदान और उन्नत चिकित्सा तथा मुफ्त दवाओं का वितरण किया गया।

हिमन्त विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हो रहा है- विधायक विजय ने कहा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम के मुख्यमंत्री के सपनों की स्वास्थ्य सेवा परियोजना के अंतर्गत असम के विभिन्न क्षेत्रों में बहुप्रतीक्षित 'मेघा हेल्थ कैंप' का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आज 10 अक्टूबर (शुक्रवार) आयोजित इस विशाल स्वास्थ्य शिविर में अनुमानित 50 प्रकार की बीमारियों के लिए उन्नत चिकित्सा सेवा पूरी तरह से मुफ्त प्रदान की गई। साथ ही, सभी मरीजों के लिए मुफ्त दवाओं का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर रामकृष्णनगर कॉलेज में एक तैयारीमूलक बड़े स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया और विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा बैठक कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित की गई। बैठक में रामकृष्णनगर सर्कल ऑफिसर सौभिक दत्त और रामकृष्णनगर विधायक उपस्थित थे। विधायक विजय मालाकार प्रशासन स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, राजनीतिक नेता, स्थानीय गण्यमान्य व्यक्तित्व और पंचायत प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

बैठक में रामकृष्ण नगर लोकप्रिय विधायक विजय मालाकार ने कहा कि 0 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए इस शिविर में सभी प्रकार की बीमारियों का पूर्ण परीक्षण, आवश्यक चिकित्सा और दवाइयाँ प्रदान की जा रही हैं। आवश्यकता पड़ने पर उन्नत चिकित्सा के लिए रेफरेंस सुविधा भी दी जा रही है। उन्होंने और कहा कि लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम में स्वास्थ्य सेवाएँ उच्च गुणवत्ता की हो रही हैं। निःशुल्क विधानसभा आधारित मेगा स्वास्थ्य शिविर में हृदय रोग, स्नायु रोग से लेकर आँख और कान संबंधित समस्याओं सहित 50 से अधिक बीमारियों की पूर्ण स्क्रीनिंग, निदान और चिकित्सा की जाती है। विशेष रूप से गरीब वर्ग में रहने वाले व्यक्तियों में छ्रुद्रुष्ठ कार्ड का वितरण हमारी सर्वांगीण और सुलभ स्वास्थ्य सेवा के वादे को और मजबूत करेगा और मुख्यमंत्री के इस स्वास्थ्य सेवा परियोजना को शुश्रूषा सेतु परियोजना के माध्यम से सफलतापूर्वक लागू करना हमारा कर्तव्य है। इसके लिए पत्रकार, प्रशासन, स्वास्थ्यकर्मी, स्थस्थानीय जनप्रतिनिधि और आम नागरिक, सभी से सहयोग की कामना करते हैं।

विशेष रूप से बारक के 31 विशेषज्ञ चिकित्सक, पैरा मेडिकल स्टाफ, नर्स, स्थानीय नागरिक और स्वयंसेवी संगठनों के प्रति हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि रामकृष्णंखर आम जन के घर तक उन्नत चिकित्सा पहुँचाने के इस प्रयास को ऐतिहासिक कदम के रूप में देखा जा सकता है। आयोजकों ने बताया कि शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सक दल भाग लिया। आधुनिक उपकरणों के माध्यम से रोगों का निदान करने से लेकर चिकित्सा परामर्श तक सभी प्रकार की सुविधाएँ रोगियों के लिए उपलब्ध करवाई गई हैं।

इंडस्ट्री एरिया में छापा, 7.37 लाख का वेज फैट सीज किया

● खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने दो दिन चलाया अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम कार्यवाही करते हुए।

मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने दीपावली पर्व के दृष्टिगत मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह के नेतृत्व में खाद्य सचल दल दो दिन का अभियान चला कर कुल 12 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। वृन्दावन से सांभर व पेड़ा का एक एक नमूना, बल्देव से सरसों का तेल का एक नमूना, होलीगेट से घी का एक नमूना, टाउनशिप से मिल्क केक का एक नमूना, नौहझील से घी का एक नमूना, बाजना से मिश्रित दूध के दो नमूने तथा बिना खाद्य अनुज्ञप्ति प्राप्त कर संचालित इण्डस्ट्रियल एरिया स्थित निर्माण इकाई से रिफाइण्ड सोयाबीन आयल का एक नमूना तथा इंटरएस्टेरीफाइट वेज फैट के तीन नमूने संग्रहित कर शेष बचे लगभग 3957 लीटर इंटरएस्टेरीफाइट वेज फैट जिसका मूल्य 7,37,715 को सीज किया गया। खाद्य सचल दल में राम नरेश, जितेंद्र सिंह, दलबीर सिंह, अरुण कुमार, रीना शर्मा, मोहर सिंह कुशवाह, भरत सिंह एवं धर्मेन्द्र सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल रहे। इसके अतिरिक्त रीना शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा एफ.एस.डब्लू (सचल खाद्य प्रयोगशाला) वाहन के माध्यम से वृन्दावन स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में आई.ई.सी. कार्यक्रम आयोजित कर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को खाद्य पदार्थों में घरेलू स्तर पर अपमिश्रण की जांच कैसे करें तथा फास्ट फूड के प्रयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया गया एवं अरूण कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पर्यवेक्षण में एफ.एस.डब्लू (सचल खाद्य प्रयोगशाला) वाहन के माध्यम से अवैरनी चौराहा बलदेव में खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच लैब टेक्नीशियन द्वारा की गयी एवं सभी खाद्य कारोबार कर्ताओं व आम जनमानस को खाद्य पदार्थों में मिलावट के प्रति जागरूक किया गया।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर महाराजगंज तराई पुलिस द्वारा किया गया पैदल गस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर/महराजगंज तराई पुलिस अधीक्षक बलरामपुर द्वारा जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, स्वालंबन और सशक्तिकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0)के अंतर्गत आज महराजगंज तराई दीपावली की त्योहार को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडे के मार्गदर्शन क्षेत्र अधिकारी ललिया देवेंद्र कुमार की पर्यवेक्षण में थाना अध्यक्ष महाराजगंज अखिलेश पांडे के नेतृत्व में चौराहा कस्बा का पैदल गस्त किया गया व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का आयोजन स्कूलों, कॉलेजों तथा बाजारों में किया गया, जहाँ बालिकाओं को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने के उद्देश्य से संवाद स्थापित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों जैसे–वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा साइबर हेल्पलाइन-1930 की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, महिला अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों के विषय में सार्थक चर्चा की गई। उपस्थित जनसमूह को शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पम्पलेट वितरण कर जागरूक किया गया। इसी क्रम में स्थानीय थानों पर नवस्थापित मिशन शक्ति केन्द्र के कार्य, उद्देश्य तथा वहां उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की भी जानकारी प्रदान की गई, ताकि महिलाएं और बालिकाएं अपनी समस्याओं के समाधान हेतु इन सेवाओं का लाभ उठा सकें। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करना है। पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे समाज में महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जानकारी दी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बुढार, शहडोल है कि राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा तम्बाकू युवा मुक्त अभियान 3.0 का शुभारंभ प्रभानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 09 अक्टूबर 2025 को किया गया। उन्होंने बताया कि तम्बाकू मुक्त युवा जन जागरूकता अभियान 60 दिवस तक पूरे जिले में संचालित किया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य युवा वर्ग को तम्बाकू एवं तम्बाकू से बने उत्पाद, सिगरेट आदि के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान की जानकारी देकर तम्बाकू का उपयोग नहीं करने की समझाइस देकर स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना है। उन्होंने बताया कि तम्बाकू के सेवन से कैंसर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर व अन्य जानलेवा बिमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि तम्बाकू मुक्त युवा वर्ग 3.0 अभियान के अन्तर्गत युवा वर्ग को जागरूक करने शिक्षा विभाग, पंचायत तथा ग्रामीण विकास विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग आदि के समन्वय व सहभागिता तथा सक्रिय सहयोग से चलाया जाना है। इस अभियान के जिला नोडल अधिकारी डॉ. पुनीत श्रीवास्तव बनाए गए हैं। प्रधानमंत्री जी के तम्बाकू मुक्त स्वस्थ्य भारत के निर्माण का संकल्प पूरा किया जायेगा। इस अभियान के अन्तर्गत जिला, विकासखण्ड तथा ग्राम स्तर पर जन जागरूता अभियान चलाकर ग्रामों को तम्बाकू मुक्त बनाने का संकल्प पूरा किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं, समाजसेवीयों तथा इलक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मिडिया तथा सहयोगी विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों से अपील की है कि राष्ट्र निर्माण के इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

त्यौहारों को देखते हुये एस पी नें चलाया सघन चेकिंगऔर तलाशी अभियान

बस्ती। बस्ती जिले मेंआगामी त्योहारों के मद्देनज़र जनपदीय पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। त्योहारों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले भर में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक बस्ती अभिनंदन ने गुरुवार को स्वयं रेलवे स्टेशन पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस बल के साथ रेलवे स्टेशन पर पैदल मार्च किया और आसपास के क्षेत्रों में चेकिंग अभियान का निरीक्षण किया।इस दौरान एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के समय किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी थाना क्षेत्रों में नियमित गश्त को बढ़ाया गया है, संदिग्ध व्यक्तियों की गहन चेकिंग की जा रही है और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी की गई है। एसपी ने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

921 का था बिल 66 हजार का भेज दिया नोटिस

● किसान संगठन के हंगामे के बाद माना विभाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कैंट बिजली घर पर विरोध प्रदर्शन करते किसान संगठन के कार्यकर्ता।

मथुरा। बिजली विभाग की महिला उपभोक्ता पर 921 का बिजली का बिल बकाया था। विभाग की ओर से उपभोक्ता को 66 हजार का नोटिस भेज दिया गया। किसान संगठन ने जब बिजली घर पर हंगामा काटा तो विभागीय अधिकारियों ने बिल को 921 ही मान और उपभोक्ता ने राहत की सांस ली। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह संगठन के जिला अध्यक्ष गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में किसानों ने बिजली घर कैंट का घेराव किया गया। यहां किसान और मजदूर की समस्याओं को उठाया गया। शिकायत की गई कि किसानों को 22 घंटे लाइट मिलनी चाहिए जो कि नहीं मिल रही है। लंबे लंबे पावर कट लगाए जा रहे हैं बिजली बिल स्मार्ट मीटर लगने के बाद में बहुत ज्यादा आ रहे हैं। 70 स्क्वायर फीट के हिसाब से कनेक्शन किया जा रहा है। जो कि गरीब और किसानों के लिए बहुत मुश्किल है। सविता रावत औरंगाबाद का बिल जो कुछ 66 हजार रुपए बिजली विभाग के द्वारा बताया गया था। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह संगठन के जिला अध्यक्ष मथुरा गजेंद्र सिंह ने साथ दिया तो 921 रुपये सविता रावत का बिजली विभाग पर बकाया दिखाया गया।बिजली विभाग एसडीओ को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में देने के दौरान संदीप हिंडोल राष्ट्रीय सचिव, सीमा शर्मा प्रदेश प्रवक्ता, पवन चौधरी प्रदेश महासचिव आगरा, नरेंद्र गुर्जर जिला अध्यक्ष आगरा, गजेंद्र सिंह, ठा वेद पाल सिंह तोमर, अनिल शर्मा, प्रवीण चौधरी, धर्मेंद्र सिकरवार, बीके चौधरी, जीतू पंडित, कुलदीप गुर्जर, जितेंद्र, सत्येंद्र, रामबाण, दिलीप, प्रेम सिंह, आनंद चौधरी, जितेंद्र सिंह, लोकेंद्र सिंह साहूकार, जगदीश चौधरी, सुभाष पहलवान, कोमल सोलंकी, बॉबी ठाकुर, विद्याधर भरंगर, मुक्की, सुरेश, भगत, किशन शर्मा, कुलदीप चौधरी, डॉ राजीव यादव, ललित चौधरी, अमित चौधरी, भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ताओ की मौजूदगी में बिजली घर का घेराव किया गया।

घाटमपुर में ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर नगर/घाटमपुर के साढ़ में ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, यहां पर छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई, प्रतियोगिता में अव्वल आए छात्र छात्राओं को ब्लाक प्रमुख भीतरगांव अशोक सचान के द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, साढ़ थाना क्षेत्र के बारी गांव स्थित सीएल मेमोरियल इंटर कालेज में भारत कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत् दो दिवसीय ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बालिका वर्ग में,रस्साकसी, दौड़,और बैडमिंटन,बालक वर्ग में वालीबाल, दौड़, लंबी कूद,का आयोजित किए गए, प्रतियोगिता में सफल खिलाड़ियों को ब्लाक प्रमुख भीतरगांव अशोक सचान,और क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी प्रदीप कुमार के द्वारा शील्ड,टा्फी,प्रमाण पत्र,देकर सम्मानित किया गया,और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई, ब्लाक प्रमुख ने कहा कि मेरा युवा भारत द्वारा कराएं जा रहें खेल प्रतियोगिताओं के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं,इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को खेल प्रति प्रोत्साहन मिलता है,इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बच्चें आगे चलकर क्षेत्र जिला देश का नाम रोशन करते हैं,मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय कानपुर नगर से हिमांशु मिश्रा के द्वारा बताया गया कि जिला युवा कल्याण अधिकारी कानपुर नगर अनुपम कैथवास के निर्देश पर चार खंड विकास स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है,इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्रीपाल कुशवाहा, प्रबंधक रेखा कुशवाहा, अध्यक्ष रामनाथ कुशवाहा, एडवाइजर पद से प्रांजुल कुमार,रेफरी शशि प्रकाश, अमित, विवेक शुक्ला, विकास, और अन्य लोगों से रमेश यादव, रमाशंकर, रवीपाल, सतीश, सौरभ, कौशल, राहुल, प्राची, आकांक्षा अनुष्का, आकांक्षा शुक्ला एवं विभिन्न युवा मंडल के लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी द्वारा सिकठिया पीएचसी का किया औचक निरीक्षण

कानपुर नगर/घाटमपुर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को सिकठिया स्थिति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पीएचसी,का औचक निरीक्षण किया,इस दौरान केंद्र पर लैब उपकरण न होने का मामला सामने आया है,जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी कोई15 दिनों के भीतर सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, निरीक्षण के दौरान तीनों स्वास्थ्य कर्मी अपनी डियूटी पर मौजूद पाए गए,और ओपीडी नियमित रूप से संचालित हो रही है और मरीजों की उपस्थिति और उपचार व्यवस्था देखकर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने संतोष व्यक्त किया, इलाज के लिए पहुंची मरीज़ श्यामकली,और रेखा,सहित अन्य लोगों ने पीएचसी की चिकित्सक डॉ पूनम सिंह की सराहना की, मरीजों ने डीएम को बताया कि डॉ नियमित रूप से समय पर उपस्थित रहतीं हैं, और सभी का इलाज पूरी निष्ठा व सेवा भाव से करतीं हैं,किसी प्रकार की लापरवाही न ही करतीं हैं, मरीजों की बातें सुनने के बाद जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त की और चिकित्सक को बेहतर कार्य बनाए रखने के निर्देश दिए, डीएम ने दवा वितरण व्यवस्था की भी जानकारी ली, उन्होंने मरीजों और परिजनों से पूछा कि क्या उन्हें दवाएं समय से मिलती है,इस पर सभी ने संतोष जनक उत्तर देते हुए बताया कि उन्हें दवा निर्धारित समय पर मिलतीं है, जिला प्रशासन की टीम ने लैब जांच व्यवस्था का जाएजा लिया,इस दौरान जानकारी मिली कि केंद्र पर लैब टेक्नीशियन संदीप कुमार तों तैनात हैं, लेकिन आवश्यक उपकरणों के अभाव में पैथालाजिकल जांच का कार्य नहीं हो पा रहा है,इस स्थिति में मुख्य चिकित्साधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि आगामी 15 दिनों के भीतर सभी जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, निरीक्षण के समय जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने स्वास्थ्य केंद्र की साफ सफाई, रजिस्टरों के रखरखाओ और कर्मचारियों की उपस्थिति का भी बारीकी से जायजा लिया।